मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 259
गुरुवार, 10 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कठुआ की विनय बॉर्डर आउट पोस्ट से गृह मंत्री का जवानों को संदेश, आप हैं तो देश महफूज है

मुंबई, 09 मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने अपनी तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर यात्रा के दौरान कठुआ में विनय बॉर्डर आउटपोस्ट का दौरा किया और वहाँ तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद किया। भारत की सीमा और सेना को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध शाह ने कठुआ की विनय बॉर्डर आउट पोस्ट पर सीमा पर तैनात वीर जवानों से मुलाकात कर स्पष्ट संदेश दिया कि, ह्यआप सरहद पर खड़े हैं, तभी करोड़ों लोग चैन की नींद सोते हैं। देश आपका ऋणी है और रहेगा।

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में केंद्र सरकार सुरक्षा बलों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरी तरह से समर्पित है। जवानों की ड्यूटी के निर्वहन में आने वाली तकलीफों को कम करने के लिए बॉर्डर को इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस सिस्टम, ड्रोन रोधी तकनीक और टनल आइडेंटिफिकेशन तकनीक से लैस किया जा रहा है। पूरी सीमा पर इनकी तैनाती के बाद जवानों को सूचना मिलने और दुश्मन द्वारा किसी भी हरकत की स्थिति में तत्काल एक्शन लेने में बहुत आसानी होगी। पूरा देश जानता है

कि कड़ाके की ठंड, मूसलाधार बारिश या फिर 45 डिग्री तापमान में, भौगोलिक या मौसम की विषमता के बावजूद जवान तत्परता के साथ और चौकस रहकर सीमाओं की सुरक्षा में लगे रहते हैं। इस मौके पर अमित शाह ने सीमा पर 47.22 करोड़ रुपये की लागत वाले नवनिर्मित 8 महिला बैरक, हाई मास्ट लाइटस, जी+1 टॉवर और कंपोजिट बॉर्डर आउट पोस्ट का लोकार्पण भी किया।

आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने और जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल करने के लिए संकल्पित अमित शाह की जीरो टॉलरेंस नीति का ही असर है कि जैसे ही उनके कदम घाटी में पड़े, वैसे ही अलगाववादी संगठन हुर्रियत को एक बड़ा झटका लग गया। जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह बताता है कि घाटी के लोगों का भारत के संविधान में भरोसा बढ़ा है। मोदी जी के एकजुट और शक्तिशाली भारत का सपना आज और भी मजबूत हुआ, क्योंकि अब तक 11 ऐसे संगठनों ने अलगाववाद को त्यागकर देश को मजबूत करने के लिए अटूट समर्थन की घोषणा की है।

अंत्योदय के सिद्धांतों पर चलने वाले शाह ने हर बार की तरह इस बार भी श्रीनगर पहुँचते ही एक और अनुकरणीय परंपरा को निभाते हुए शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात की। पिछले 12 महीनों में जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए जवानों के परिजनों से मिलकर न सिर्फ संवेदना व्यक्त की, बल्कि उन्हें यह भरोसा भी दिलाया कि सरकार हर पल, हर परिस्थिति में उनके साथ है। यह इस देश का नसीब है, जिसे अमित शाह जैसा गृह मंत्री मिला है, जो स्पष्ट तौर पर मानते हैं कि शहीद सिर्फ एक परिवार का बेटा नहीं होता, वह पूरे राष्ट्र का सपूत होता है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम बंगाल में लागू नहीं होगाः ममता बनर्जी

कोलकता, 09 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह अल्पसंख्यकों की और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। आप भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे कोई बांटकर राज कर सके। बनर्जी ने कहा, बांग्लादेश की स्थिति देखिए। वक्फ विधेयक को अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था।

वक्फ (संशोधन) विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा द्वारा पारित कर दिया गया था, जहां बीजू जनता दल (बीजद) का कोई सदस्य नहीं है और संसद के दोनों सदनों में लंबी बहस के बाद शुक्रवार की सुबह राज्यसभा द्वारा भी इसे पारित कर दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी।

बेटी बढ़ाओ महिला सशक्तीकरण की यात्रा का अगला कदम है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि लड़कियों को सुरक्षा व शिक्षा देने से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से सक्षम व उन्नत बनाने का समय आ गया है। इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में समन्वयः 100 साल की विरासत का जश्न कार्यक्रम में उन्होंने महिला सशक्तीकरण की यात्रा में अगले कदम के रूप में बेटी बढ़ाओ वाक्यांश के साथ काम करने का आह्वान किया।

गुप्ता ने कार्यक्रम में सैकड़ों युवतियों को संबोधित करते हुए कहा, हमने बेटी बचाओ से बेटी पढ़ाओ तक की यात्रा पूरी कर ली है और अब बेटी बढ़ाओ का समय आ गया है। हमारी माताओं ने हमें सुरक्षा दी और शिक्षित किया - अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आगे बढ़ने और चमक बिखेरने में लड़कियों की अगली पीढ़ी की मदद करें।

अपने छात्र नेतृत्व के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा, जब मैं डीयूएसयू अध्यक्ष थी, तब डीयू ने 1996 में सभी कॉलेजों के लिए एक समान प्रवेश फॉर्म पेश किया था। डीयू में छात्र, शिक्षक और प्रशासक एक साथ काम करते हैं और इस संस्कृति ने इसे देश और दुनिया के बेहतरीन संस्थानों में से एक बना दिया है। गुप्ता ने महिला नेताओं को आकार देने में दिल्ली विश्वविद्यालय की विरासत पर अपने विचार साझा किए।

नवकार मंत्र विश्व कल्याण से जुड़ी प्रार्थना : राज्यपाल बागडे

नई दिल्ली। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नवकार मंत्र को स्तुति से युक्त सर्व कल्याण प्रार्थना बताते हुए बुधवार को कहा कि यह ध्यान का ज्ञान है। उन्होंने कहा कि यह विश्व कल्याण के साथ बाधाओं के निवारण का आदि मंत्र है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, बागडे ने कहा कि भारतीय दर्शन मंत्रों की साधना से ही जुड़ा है और मंत्र का अर्थ होता है, पवित्र उच्चारण। उन्होंने कहा कि इससे धरती पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक भावों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने जैन परंपरा में तीर्थंकरों की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन का आदर्श मार्ग प्रदान किया।

तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि के मार्ग से जीवन को धन्य करने की शिक्षा तीर्थंकरों ने दी। नवकार मंत्र इसी परंपरा का बहुत पावन भारतीय संस्कार है। यह मानव कल्याण से जुड़ा है।

ट्रिपल मर्डर केश में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्सन

चेतन निर्मल संवाददाता

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में किसान नेता और उसके भाई सहित बेटे की गोली मारकर हत्या के बाद पुलिस एक्सन मोड़ पर है। बुधवार सुबह मुठभेड़ के बाद दो अभियुक्तों के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया। घायलों को नजदिकी अस्पताल में भर्ती किया गया । आरोपियों के अवैध संपति में बुल्डोजर एक्सन से कार्यवाही की जा रही है। ट्रिपल मर्डर केश के कुल चार आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है। बाकी अन्य की तलाश जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार जिले में वर्चस्व की जंग को लेकर हुए गोली कांड में तीन की मौत के बाद से जहां पुलिस फोर्स हमलावरों की तलाश में जुटी थी।

बुधवार की सुबह जनपद की सीमाओं में बैरिकेटिंग लगाकर चेकिंग अभियान के तहत एक स्कार्पियो में सवार दो को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। जिनके पैर में गोली लगी वही अब आरोपियों की अवैध संपति पर बुल्डोजर एक्सन की कार्यवाही हो रही है। एसपी धवल जायसवाल ने बताया कि अब तक चार अपराधियो को गिरफ्तार किया गया है। स्कार्पियो सवार सज्जन सिंह और पीयूष सिंह के पैर में गोली लगी है। जिन्हें घायल अवस्था मे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं सुरेश सिंह उर्फ मुन्नू और भूपेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। अब तक कुल चार लोगों को अरेस्ट किया गया है। वहीं फरार दो आरोपियों की तलाश जारी गई। बताया जा रहा है कि किसान नेता पप्पू सिंह सिंह सहित तीन की हत्या के बाद से जनपद के किसान सहित हथगांव कस्बे वासी आक्रोशित है। जहां उद्ट रढ सहित फोर्स तीनो शव के अंतिम संस्कार को लेकर परीजनो के द्वारा की गई सभी मांगों को मान लिया गया है। शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही है।

नया वक्फ एक्ट धार्मिक स्वतंत्रता-संविधान पर हमला : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज फिर कहा है कि सरकार बनी तो जाति जनगणना पर कानून बनाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का हिंदुस्तान की सभी संस्थाओं पर अतिक्रमण हो गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि गांधी की विचारधारा और संघ की विचारधारा में फर्क है। राहुल ने दावा किया कि कांग्रेस ही आरएसएस और भाजपा को हराएगी। उन्होंने दावा किया कि नया वक्फ एक्ट धार्मिक स्वतंत्रता-संविधान पर हमला है। उन्होंने कहा कि हमने तेलंगाना में जाति जनगणना का क्रांतिकारी कदम उठाया। उससे कुछ महीने पहले, मैंने संसद में पीएम नरेंद्र मोदी से पूछा था कि हमें देश में जाति जनगणना करवानी चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं जानना चाहता था कि इस देश में किसकी कितनी हिस्सेदारी है और क्या यह देश सही मायने में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदायों का सम्मान करता है। पीएम नरेंद्र मोदी और आरएसएस ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया।

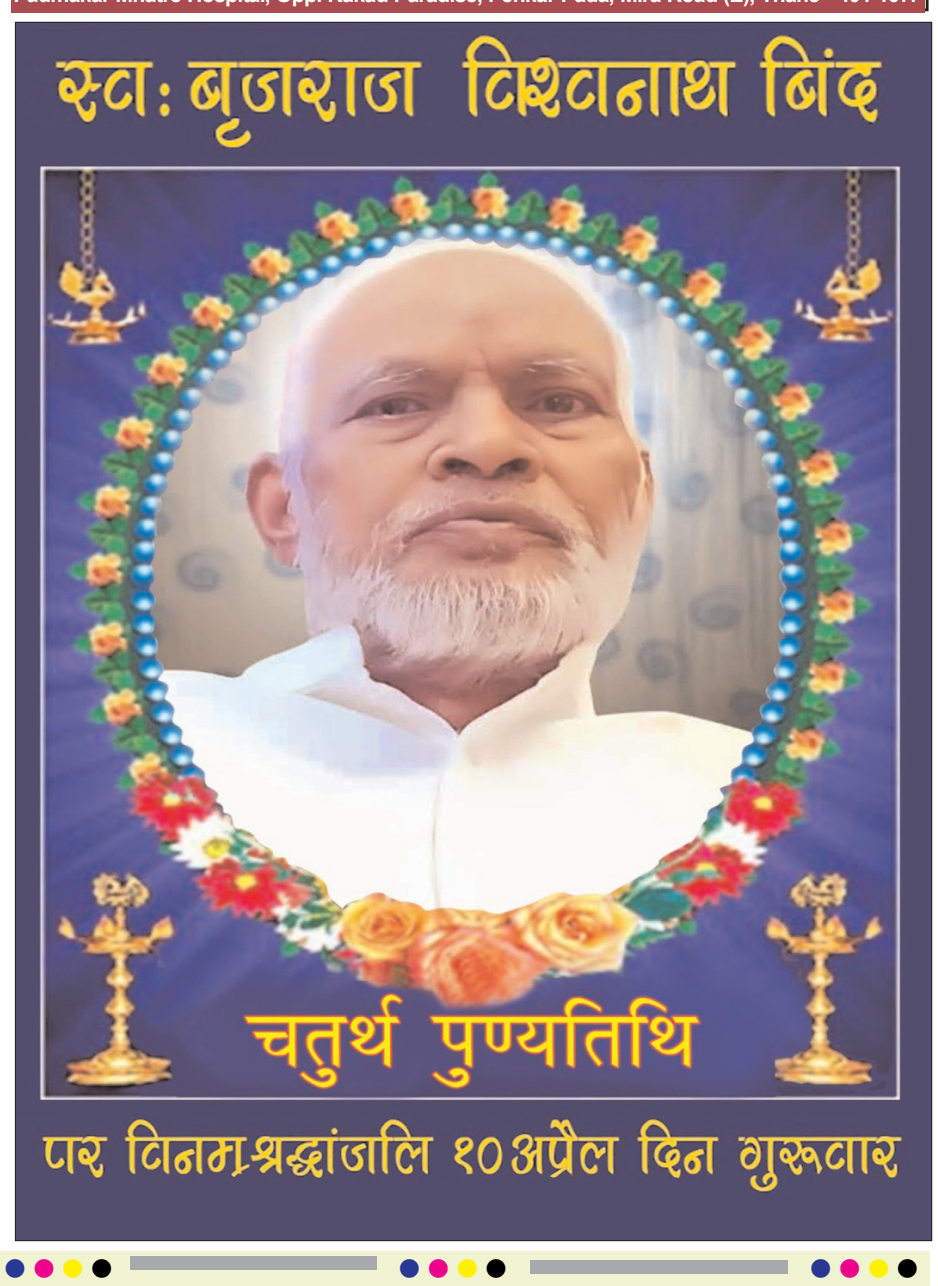

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े. जीवन-संकट

-ललित गर्ग

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है। इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थान के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती है। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद

कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इसे विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरों की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तीसरा ध्रुव कहे जाने वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति लिटल आइस एज के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरे तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी इस संकट के आगे पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

वक्फ कानून के विरोध में क्यों हो रही है हिंसा, क्या कानूनी लड़ाई प्रयाप्त नहीं है?

अशोक भाटिया

देश में नया वक्फ कानून लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने 8 अप्रैल को वक्फ संशोधन अधिनियम की अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि आठ अप्रैल से पूरे देश में वक्फ अधिनियम को प्रभावी कर दिया गया है। बता दें, बीते सप्ताह संसद में लंबी चर्चा के बाद वक्फ संशोधन अधिनियम पारित हुआ था, 5 अप्रैल को राष्ट्रपति ने इसे अपनी मंजूरी दी थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि नया वक्फ कानून देश में कब से लागू होगा। नए वक्फ अधिनियम में कई बदलाव किए गए हैं, जिसमें सबसे विवादित संशोधन वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिमों को शामिल करना है। इसको लेकर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है और मुस्लिम समाज के लोग प्रदर्शन भी कर रहे हैं, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी कई याचिकाएं डाली गई हैं।

देशभर में वक्फ कानून को लेकर राजनीतिक और सामाजिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। कहीं इस कानून के समर्थन में बोलने पर लोगों को पीटा जा रहा है, तो कहीं विरोध के नाम पर हिंसा और आगजनी हो रही है। सड़क से सदन तक, वक्फ कानून को लेकर डराने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। ये तब है जब वक्फ कानून का मामला देश की सबसे बड़ी अदालत में पहुंच चुका है। बड़ी बात ये है कि 15 या 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून के खिलाफ डाली गई अर्जी पर सुनवाई होनी है।

उत्तर प्रदेश के संभल में जाहिद सैफी को इसलिए पीटा गया क्योंकि उन्होंने वक्फ कानून का समर्थन किया था। कानपुर में ओला टैक्सी ड्राइवर ने एक वरिष्ठ अधिकारी की इसलिए पिटाई कर दी क्योंकि वह फोन पर वक्फ कानून की चर्चा कर रहे थे। मणिपुर में बीजेपी नेता अली असगर का घर जला दिया गया क्योंकि उन्होंने इस कानून का समर्थन किया था। वहीं, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ कानून को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक आपस में भिड़ गए।

इतना ही नहीं, मंगलवार को बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन उग्र हो गया और प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों को आग लगा दी। इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। मुर्शिदाबाद के कुछ इलाकों में इठरर की धारा 163 लागू करनी पड़ी है। इन इलाकों में अगले 48 घंटों तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी और किसी भी प्रकार के सामूहिक जमावड़े पर रोक होगी। एक वरिष्ठ जिला पुलिस अधिकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया और इसके बाद मची अफरातफरी में कुछ पुलिस वाहनों में भी आग लगा दी गई।

दरअसल वक़्फ़ बोर्ड अधिनियम के पारित होने के बाद से ही कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी नेता व संगठन देश के मुसलमानों को भड़काने बरगलाने व हिंसा के लिए उकसाने में सतत रूप से सक्रिय हैं। झूठ फैलाकर दुष्प्रचार करने वाली इस गैंग में अब कुछ कथित मुस्लिम बुद्धिजीवी भी कूद पड़े हैं जिन्होंने हाल ही में एक पत्र देश के मुस्लिम सांसदों को लिखा है। विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय प्रचार प्रसार प्रमुख श्री विजय शंकर तिवारी का कहना है कि यह पत्र मिथ्या प्रचार कर मुस्लिम समाज को हिंसा व देश विरोध के लिए प्रेरित करने के साथ संसदीय व्यवस्था तथा संविधान का सीधा सीधा उल्लंघन है। इस पत्र के माध्यम से उनके मुस्लिम इंडिया' बनाने के मंसूबों की भी कलई खुल गई है जो सपना कभी कट्टरपंथी नेता सैयद शहाबुद्दीन ने भी देखा था।पत्र में अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा की तो बात की है किंतु उसमें नाम सिर्फ मुसलमानों का लिया है। इसमें 'मुस्लिम समाज का गला घोंटने' और 'मुसलमानों के गरिमापूर्ण अस्तित्व के लिए संघर्ष' करने के लिए उकसाने की बात की है। पत्र में 'मुसलमानों की सामूहिक आवाज को बुलंद' कर संसद के अंदर व बाहर प्रदर्शन व संसद के बहिष्कार की अपील भी की है जिससे 'देश विदेश के मीडिया का रणनीतिक रूप से ध्यान आकृष्ट किया जा सके। यह कितना दुर्भाग्य पूर्ण है कि इस पत्र के हस्ताक्षरकर्ता सिर्फ कट्टरपंथी मुस्लिम नेता या जिहादी संगठन नहीं अपितु, उनके साथ भारत के संविधान में पंथ निरपेक्षता की शपथ खा कर विधायक, सांसद, आईएएस, आईपीएस, सैन्य अधिकारी, अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन, विश्व विद्यालयों के कुलपति, वक्फ बोर्ड के अधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता व पत्रकार बने लोग भी शमिल हैं। इन सब के लिए देश से बड़ा मजहब है, जिसके लिए ये लोग किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं। इन्हें पता है कि जब मुस्लिम कट्टरपंथी सड़कों पर उतरते हैं तो हिंसा उपद्रव व आगजनी के अलावा कुछ नहीं करते फिर भी उन्हें इसके लिए उकसा रहे हैं।

विहिप ने यह भी कहा कि मजहबी आधार पर भारत के एक और विभाजन व 'मुस्लिम इंडिया' बनाने का इनका दिवास्वप्न तो कभी पूरा नहीं होगा किंतु हां इनके इस भड़कावे के परिणाम स्वरूप देश भर में यदि कुछ उपद्रव हुआ तो उसकी जिम्मेदारी इन सभी हस्ताक्षरकताओं को लेनी होगी और सम्पूर्ण देश के समक्ष ये अपराधी के रूप में खड़े होंगे। विहिप ने कहा कि यह स्मरण रखना चाहिए कि इन कथित मुसलमानों के अलावा देश के सभी अल्पसंख्यक इस नए कानून से प्रसन्न हैं क्योंकि अधिकांश लोग वक्फ बोर्ड व उसके अवैध कब्जाधारियों के आतंक से त्रस्त हैं।स्मरण रहे कि भारत एक संप्रभु, पंथ निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य है, जिसकी मूल आत्मा संविधान है। किसी भी संगठन द्वारा यह कहना या संकेत देना कि उनके लिए मजहबी कानून संविधान से ऊपर है, न केवल भारत की एकता और अखंडता के लिए खतरा है, बल्कि यह लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था का भी अपमान है।हम केंद्र सरकार और न्यायपालिका से अपेक्षा करते हैं कि इस पत्र प्रकरण को गंभीरता से लिया जाए क्योंकि इसी मानसिकता ने पहले ही भारत का विभाजन कराया था। संविधान से ऊपर मजहब को रखने वाली सोच देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता के लिए भी घातक हो सकती है।

अब सवाल यह भी उठता है कि आखिर इन मतभेद के बीच वाद और संवाद की जगह हिंसक सोच क्यों? क्या समाज में सहनशीलता घट रही है और साम्प्रदायिकता बढ़ रही है? क्या किसी मुद्दे पर वैचारिक मतभेद समाज में हिंसा को बढ़ावा दे रहा है? क्या भारत जैसे देश में हिंसा वाली सोच अब सबसे बड़ा खतरा है? सवाल इसलिए उठ रहे है क्योंकि इन तीन कृषि कानून का विरोध हुआ तो हिंसा की जगह सत्याग्रह की राह आंदोलनकारियों ने चुनी। सीएए का विरोध हुआ तो आंदोलनकारियों ने हिंसा की बजाय अहिंसात्मक प्रदर्शन की राह अपनाई। लेकिन वक्फ कानून के विरोध-प्रदर्शन के बीच कुछ जगह हिंसा की घटनाएं सामने आई। क्या हिंसक सोच, वक्फ कानून का विरोध कर रहे लोगों के आंदोलन को कमजोर कर सकता है? इन किसी मुद्दे पर मनभेद और मतभेद के बीच वाद-संवाद तो ठीक है, लेकिन वाद संवाद की लक्ष्मण रेखा क्यों बार-बार टूट रही है। देश में पर्व और त्योहार पर तनाव है, मंदिर-मस्जिद को लेकर तनाव है, अब तो संसद से बने कानून को लेकर भी तनाव है। आखिर हर मुद्दों में घुली सांप्रदायिकता की बीमारी की दवा क्या है? मतबल विरोध-प्रतिरोध तो ठीक है लेकिन इतनी नफरत क्यों, इतना क्रोध क्यों? सवाल बड़ा है, क्योंकि एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में सांप्रदायिक दंगों के ग्राफ में तेजी से उछाल आया है।

अब जबकि सुप्रीम कोर्ट में इस नए कानून के खिलाफ 10 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल हुई हैं है तो हिंसा होना बेवजह है । वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने वालों में कई बड़े नाम शामिल हैं। इसमें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद जैसी संस्थाएं हैं। इसके अलावा पार्टियों के नेता भी कोर्ट पहुंचे हैं। इनका कहना है कि यह कानून संविधान के कई नियमों जैसे धार्मिक आजादी और समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिकाकताओं का आरोप है कि सरकार इस कानून के जरिए वक्फ संपत्तियों पर ज्यादा नियंत्रण लेना चाहती है। कई जानकारों का दावा है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने फैसले में यह स्पष्ट कर चुका है कि ह्यएक बार वक्फ, हमेशा के लिए वक्फह्न होता है। यानी अगर कोई संपत्ति वक्फ को दे दी जाती है तो उस संपत्ति का स्वरूप आगे कभी नहीं बदलेगा।

केंद्र सरकार ने इन याचिकाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दी है ताकि वह अपनी बात रख सके। सरकार का कहना है कि यह कानून देश के हित में है और इसे बनाने में सभी नियमों का पालन किया गया है। सरकार नहीं चाहती कि कोर्ट बिना उसकी बात सुने कोई फैसला दे, जिससे कानून पर रोक लग जाए या उसे रद्द कर दिया जाए। इसलिए उसने पहले ही कोर्ट में अर्जी देकर कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले उसका पक्ष सुना जाए.केंद्र सरकार का कैविएट दाखिल करने का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि वक्फ कानून को लेकर कोई जल्दबाजी में फैसला न हो। सरकार चाहती है कि कोर्ट इस कानून के पीछे की मंशा और इसके फायदों को समझे। साथ ही, वह उन आरोपों का जवाब देना चाहती है जो याचिकाकताओं ने लगाए हैं। सरकार का मानना है कि अगर उसकी बात नहीं सुनी गई तो कानून के खिलाफ गलत धारणा बन सकती है। इसलिए वह कोर्ट में अपनी पूरी तैयारी के साथ जाना चाहती है।अब सरकार हो या हिंसाधारी सभी को अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए व फैसले का आदर भी करना चाहिए ।

तीन साल में यूपी से खत्म हो जाएगी गरीबी : योगी

-अजय कुमार

गरीबी हटाओ का नारा भारतीय राजनीति का सबसे पुराना और सबसे आजमाया हुआ वाक्य है। यह नारा सुनते-सुनते कई पीढ़ियां जवान हो चुकी हैं, लेकिन गरीबी का अंत अब तक नहीं हुआ। इंदिरा गांधी ने इस नारे को 1971 में दिया था और इसी नारे पर चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी थीं। उसके बाद से लेकर आज तक हर सरकार ने इस नारे को अपनी सुविधा और राजनीतिक जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया है। नरेंद्र मोदी ने भी गरीबी को जातीय राजनीति के जवाब के रूप में पेश किया, और अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी यह संकल्प लिया है कि वे उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाएंगे। यह दावा उन्होंने महाराजगंज में किया, जहां उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में यूपी से गरीबी खत्म कर दी जाएगी और प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा। यह बात उन्होंने तब कही जब एक सप्ताह पहले ही उनका बयान आया था कि वे राजनीति में लंबी पारी खेलने नहीं आए हैं। लेकिन उनके इस नए संकल्प से साफ है कि वे अभी कहीं जाने वाले नहीं हैं।

योगी आदित्यनाथ ने जो संकल्प लिया है, वह सिर्फ एक चुनावी वादा नहीं बल्कि व्यक्तिगत संकल्प बताया जा रहा है। उन्होंने खुद कहा है कि राजनीति में भी समयसीमा होनी चाहिए और इस लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने तीन साल की डेडलाइन तय की है। हालांकि तकनीकी रूप से उनके मौजूदा कार्यकाल के सिर्फ दो साल ही बचे हैं, इसलिए यह मानना मुश्किल नहीं कि उनका इरादा 2027 के बाद भी सत्ता में बने रहने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह योगी आदित्यनाथ भी 'गरीब' को एक अलग वर्ग के रूप में पेश कर रहे हैं। जब बिहार में जातिगत जनगणना के बाद मोदी ने ओबीसी, एससी, एसटी और 'गरीब' का नाम लिया था, तो उसी 'गरीब' वर्ग को अब योगी राजनीति का केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को देखते हुए गरीबी हटाओ का अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण है। लेकिन योगी सरकार ने इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर 2024 को गांधी जयंती पर की, जब उन्होंने ह्यजीरो पॉवर्टी स्टेटह्न बनाने का ऐलान किया। सरकार के मुताबिक प्रदेश के हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवारों को चिन्हित किया जाएगा और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की 17 योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को 1,25,000 तक पहुंचाया जाए ताकि वे गरीबी रेखा से ऊपर आ सकें। इसके लिए सरकार खाद्यान्न, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की योजनाओं को समन्वयित रूप से उन तक पहुंचाएगी।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2013-14 में बहुआयामी गरीबी का स्तर 42.59 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 17.40 प्रतिशत पर आ गया है। इसका अर्थ है कि बीते नौ वर्षों में करीब 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार की योजनाएं कुछ हद तक असरदार रही हैं। लेकिन यूपी जैसे विशाल और विविध राज्य में गरीबी पूरी तरह मिटाना अब भी एक बड़ा लक्ष्य है। योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, उनकी सरकार ने पिछले छह वर्षों में 55 लाख से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत घर दिए हैं। इसके अलावा तीन करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है और लगभग सभी गांवों को बिजली और पानी की सुविधा से जोड़ा गया है।

सरकार का दावा है कि वह रोजगार को प्राथमिकता पर रख रही है। ह्यमिशन रोजगारह्न अभियान के तहत सरकार अगले तीन-चार वर्षों में दो करोड़ युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 7.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों के युवाओं को सीधा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है। वहीं, मनरेगा जैसी योजनाएं भी ग्रामीण रोजगार सृजन में मदद कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार दावा कर रही है कि वह अब गरीबी के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है। यह संकल्प सिर्फ सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे मिशन मोड में लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार 2025 तक प्रदेश के सभी ब्लॉकों में गरीबी निवारण की प्रगति का ऑडिट किया जाएगा और 2026 तक अधिकांश चयनित परिवार गरीबी से ऊपर उठ चुके होंगे।

हालांकि योगी आदित्यनाथ का ये संकल्प विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने इसे सिर्फ चुनावी स्टंट करार दिया है। उनका कहना है कि सरकार ने पहले भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़े वादे किए, लेकिन उनके परिणाम जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। विपक्ष का तर्क है कि अगर सरकार वास्तव में गंभीर होती तो अब तक प्रदेश की सामाजिक सूचकांक में और सुधार दिखता। उदाहरण के तौर पर, एनएफएचएस-5 के मुताबिक प्रदेश में अभी भी कुपोषण, एनीमिया और शिशु मृत्यु दर जैसे आंकड़े चिंता का विषय हैं।

एक तरफ योगी आदित्यनाथ का दावा है कि वह प्रदेश को गरीबी मुक्त बना देंगे, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश की आबादी, संसाधनों की कमी, और प्रशासनिक भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां इस अभियान को कठिन बनाती हैं। साथ ही प्रदेश के पिछड़े जिलों, जैसे बलिया, श्रावस्ती, सोनभद्र और चंदौली में अभी भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में अगर सरकार वास्तव में गरीबी खत्म करना चाहती है, तो उसे सिर्फ योजनाएं बनाने से आगे जाकर जमीनी कार्यवाही करनी होगी।

फिलहाल, यूपी सरकार ने जिन योजनाओं की घोषणा की है, वे यदि ईमानदारी से लागू की जाती हैं तो परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन इन योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय प्रशासन कितना सजग और जवाबदेह रहता है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएं पहले भी कई सरकारी प्रयासों को विफल कर चुकी हैं।

योगी आदित्यनाथ के संकल्प को राजनीति से जोड़कर देखने के भी कारण हैं। जैसा कि उन्होंने खुद कहा था कि राजनीति में समयसीमा होनी चाहिए, लेकिन अगर वे इस संकल्प को 2027 तक भी पूरा करना चाहते हैं तो जाहिर है कि उनका इरादा अगला चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने का है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर वे यूपी मॉडल को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं, लेकिन विकास के मानकों पर यूपी को गुजरात जैसा बनाना आसान नहीं है।

बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि 'गरीबी हटाओ' का नारा एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार इसे सिर्फ नारे तक सीमित रखने से न तो जनता का भला होगा, न ही योगी आदित्यनाथ की राजनीति को स्थायित्व मिलेगा। अगर वे अपने इस वादे को सच साबित करते हैं तो उत्तर प्रदेश की तस्वीर वाकई बदल सकती है और यूपी मॉडल एक नई मिसाल बन सकता है। लेकिन अगर यह भी एक और राजनीतिक हथियार बनकर रह गया, तो जनता का भरोसा और भी डगमगाएगा। इसीलिए यह समय वादों से आगे बढ़कर उन्हें निभाने का है। यह योगी आदित्यनाथ के लिए सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि उनके पूरे राजनीतिक जीवन की विश्वसनीयता की परीक्षा है।

अखिलेश की चेतावनी दैनिक जागरण पढ़ना बंद करो

उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों एक बार फिर गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में देश के बड़े हिंदी समाचार पत्र दैनिक जागरण पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अखबार अब निष्पक्ष पत्रकारिता नहीं कर रहा, बल्कि भारतीय जनता पार्टी का ह्लप्रचार तंत्रह्न बन चुका है।प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं से अपील की कि वे अब दैनिक जागरण को पढ़ना, खरीदना और प्रचारित करना बंद करें। उन्होंने कहा, ह्लजब कोई संस्थान जनहित की जगह सत्ता हित में काम करने लगे, तो उसका विरोध जरूरी हो जाता है। लोकतंत्र में मीडिया को प्रहरी की भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन जब वही प्रहरी सत्ता की गोद में बैठ जाए, तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

अखिलेश यादव का यह बयान उस समय आया है जब सपा लगातार यह आरोप लगाती रही है कि मीडिया का एक बड़ा वर्ग भाजपा के पक्ष में एकतरफा रिपोर्टिंग कर रहा है और विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की खबरों को या तो पूरी तरह दबा दिया जाता है या इस तरह तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है कि उसका मूल संदेश ही बदल जाता है।सपा की मीडिया टीम ने प्रेस वार्ता में कई आंकड़े भी प्रस्तुत किए और दावा किया कि दैनिक जागरण में भाजपा से जुड़ी खबरों को प्रमुखता दी जाती है, जबकि महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, किसानों की समस्याएं, और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर समाजवादी पार्टी द्वारा उठाए गए सवालों को या तो नजरअंदाज किया गया या बेहद सीमित कवरेज दी गई।इस बयान के बाद लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में दैनिक जागरण के कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस प्रशासन ने एहतियातन यह कदम उठाया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

भाजपा ने अखिलेश यादव के इस बयान को सस्ती लोकप्रियता और हताशा से भरा हुआ बताया। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, जब जनता से समर्थन नहीं मिल रहा हो, तो नेता अक्सर मीडिया को दोष देना शुरू कर देते हैं। अखिलेश यादव को यह समझना चाहिए कि मीडिया वही दिखाता है जो जमीनी हकीकत होती है। दैनिक जागरण जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों पर आरोप लगाना यह

-संजय सक्सेना

दशार्ता है कि सपा की जमीन खिसक रही है। एक अन्य भाजपा विधायक ने कटाक्ष करते हुए कहा कि, ह्लजिस नेता ने कभी पत्रकारों के माइक तक खींच लिए थे, वह अब पत्रकारिता की शुचिता की बात कर रहे हैं। मीडिया की आजादी की बात वही करता है जो खुद आलोचना सहने का साहस रखता हो।

अखिलेश यादव के इस बयान को लेकर विपक्ष के अन्य दलों में भी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि, ह्लमीडिया की स्वतंत्रता आज खतरे में है, और यह केवल अखिलेश यादव नहीं, बल्कि पूरा विपक्ष महसूस कर रहा है। प्रेस को सरकार की गोद से बाहर निकलकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका निभानी चाहिए।ह्नवहीं, बहुजन समाज पार्टी की ओर से औपचारिक बयान नहीं आया, लेकिन पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि, मीडिया का झुकाव किसी एक पार्टी की ओर होना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है, लेकिन कोई भी राजनीतिक दल तब तक मीडिया पर सवाल नहीं उठाता जब तक वह खुद निशाने पर न हो। अखिलेश यादव को पहले खुद की मीडिया नीति पर भी आत्ममंथन करना चाहिए।

मीडिया संगठनों में इस विवाद को लेकर हलचल है। कुछ वरिष्ठ पत्रकारों ने अखिलेश यादव की टिप्पणी को लोकतांत्रिक असहमति बताया, वहीं कुछ पत्रकारों ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा मीडिया संस्थानों का सार्वजनिक बहिष्कार लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ जाता है। भारतीय प्रेस परिषद के एक सदस्य ने कहा, ह्लयदि किसी को मीडिया से शिकायत है तो वह वैधानिक मंचों पर शिकायत कर सकता है, लेकिन सार्वजनिक रूप से किसी अखबार का बहिष्कार करना पत्रकारों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा प्रमुख का यह कदम मुस्लिम और पिछड़े वर्गों के वोट बैंक को फिर से सशक्त करने की रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है, क्योंकि हाल के चुनावों में सपा को कई स्थानों पर परंपरागत वोटों में गिरावट का सामना करना पड़ा है। वहीं कुछ विश्लेषक इसे सपा की मीडिया रणनीति का हिस्सा बता रहे हैं, जिससे वह अपने कार्यकताओं और समर्थकों को एकजुट कर सके।कई विश्लेषक मानते हैं कि अखिलेश यादव का यह बयान भावनात्मक और राजनीतिक दोनों ही स्तरों पर एक मजबूत संदेश है। यह न सिर्फ सत्तारूढ़ दल पर सीधा हमला है, बल्कि मीडिया की भूमिका पर भी बहस को जन्म देता है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में दैनिक जागरण इस विवाद पर क्या रुख अपनाता है। क्या वह जवाब देता है, या पत्रकारिता के दायरे में रहकर रिपोर्टिंग करता रहेगा? वहीं, समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को कितना आगे ले जाती है और क्या यह चुनावी रणनीति का हिस्सा बनता है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। फिलहाल इतना तय है कि यह विवाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ ले चुका है, जहां अब सिर्फ सत्ता और विपक्ष की लड़ाई नहीं रह गई, बल्कि इसमें मीडिया की भूमिका भी नए सिरे से परिभाषित हो रही है।

दो दिवसीय बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी का आयोजन 12 अप्रैल से

पटना। बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी के 36वें संस्करण का आयोजन होटल मौर्या में 12 एवं 13 अप्रैल 2025 को किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों के डिजाइनर कपड़े, ज्वेलरी, घरेलु सजावट, एस्सेसरीज, फुटवेयर्स, फर्निशिंग सहित अन्य उत्पाद उपलब्ध होंगे। इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रदर्शनी के आयोजक व बुटिक्स ऑफ इंडिया के संस्थापक संजय अग्रवाल ने बताया कि पटना में फैशन और जीवनशैली के बदलते रुझानों का लाभ उठाने के लिए दो दिवसीय प्रदर्शनी में देश के सभी राज्यों के डिजाइनर ज्वेलरी, कपड़े, घरेलू सजावट उत्पाद, परिधान उपलब्ध होंगे। हमने प्रदर्शनी के इस संस्करण को हमारे आगंतुकों और खरीदारों की मांगों को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से वेडिंग कलेक्शंस की मांग पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने बताया कि इस बार के प्रदर्शनी में देश भर के बुटिक्स के कपड़े शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में देशभर से 40 स्टॉल्स लगाए जाएंगे।

कोंकण पर उद्धव ठाकरे का प्यार है बनावटी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेता ने बोला तीखा हमला

मुंबई। कोंकण में खोई जमीन वापस हासिल करने में लगे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिंदे सेना के मुख्य प्रवक्ता दीपक केसरकर ने तीखी आलोचना की है। केसरकर ने आरोप लगाया कि कोकण और वहां के प्रति उद्धव ठाकरे का बनावटी प्रेम है। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने कोकण की पूरी तरह से उपेक्षा की। कोई भी नई परियोजना नहीं लाई। कोकण के काजू किसानों की उन्होंने कभी नहीं सुनी। इसी कारण ही वहां के लोगों ने उद्धव ठाकरे को नकार दिया। मौका था तो कुछ नहीं किया और अब जब कुछ नहीं बचा तो बयानों के तीर चला रहे हैं।

बुधवार को बालासाहेब ठाकरे भवन में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में पूर्व मंत्री केसरकर ने उद्धव ठाकरे की जमकर खबर ली। उन्होंने कहा कि कोकण के किसानों के लिए काजू बोर्ड के संदर्भ में महाविकास आघाडी सरकार ने एक समिति गठित की थी। उस वक्त मैं वित्त राज्यमंत्री के साथ-साथ उस समिति का

अध्यक्ष भी था। वह काजू नीति कोकण की कायापलट करने वाली महत्वपूर्ण नीति थी, परंतु ढाई वर्ष के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कभी भी इस नीति को मंजूरी नहीं दी। उस वक्त ठाकरे ने कोकण को पूरी तरह से को नजरअंदाज किया। कोकण के प्रति उनका कितना प्रेम है यह मैंने बहुत करीब से अनुभव किया। कोकण के विकास के लिए एक भी बार आग्रह नहीं किया यह सच्चाई है। कोकणी जनता के प्रति उनका यह प्रेम बनावटी है।

केसकर ने आगे कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री जब एकनाथ शिंदे थे तब उन्होंने कोकण काजू बोर्ड के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपये मंजूर किया था। शिंदे के मुख्यमंत्री कार्य में ही काजू किसानों को पहली बार आर्थिक मदद मिली।

काजू का उत्पादन करने वाले सभी किसानों को 3,000 रुपये दिया। उद्धव ठाकरे को अगर कोकण के लोगों के प्रति प्रेम होता तो काम एकनाथ शिंदे ने काजू किसानों की मदद के लिए लिए किया वहीं काम उद्धव करते, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और आज राग अलाप रहे हैं कि कोकण में अपनी जड़े मजबूत करेंगे। केसरकर ने दावा किया कि कोकण बालासाहेब के विचारों और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व के साथ रहेगा। लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में कोंकण की जनता मूलतः शिवसेना के साथ रही इस पर मुहर लग चुकी है।

महेश मांजरेकर, अनुप जलोटा, हर्षदीप कौर को 11 अप्रैल को आई टी एस एफ अवॉर्ड्स से किया जाएगा सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध समाजसेवी और सांस्कृतिक क्षेत्र की जानी-मानी हस्ती दत्तात्रय बालकृष्ण माने, जो बालगंधर्व स्मारक समिति के संस्थापक कोषाध्यक्ष और सह्रदिया प्रतिष्ठान व इंडियन टैलेंट सम्मान फोरम (ब्लरुह) के संस्थापक अध्यक्ष हैं, 11 अप्रैल को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम, नरिमन पॉइंट में प्रतिष्ठित आई टी एस एफ अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन करने जा रहे हैं। बता दें कि वर्ष 2000 से सामाजिक सेवा, कला, खेल और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सक्रिय माने ने अपने संगठनों के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों, छात्रों, आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों, और आपदा-ग्रस्त समुदायों को मदद पहुंचाई है। इसके अलावा, उन्होंने वृद्धाश्रम, अनाथालय और डॉ. प्रकाश बाबा आमटे के लोकबिरादरी प्रकल्प को भी सहायता प्रदान की है। आई टी एस एफ अवॉर्ड्स का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों–जैसे कि सामाजिक कार्य, चिकित्सा, उद्योग, शिक्षा, संस्कृति और सार्वजनिक प्रशासन–में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करना है। इस वर्ष के पुरस्कार समारोह की शोभा बढ़ाएंगेः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उच्च व तंत्र शिक्षामंत्री उदय सामंत, और विधायक आशीष शेलार। सम्मानित होने वाली हस्तियांः अभिनेता एवं निर्देशक महेश मांजरेकर ,सुरेश भोसले पार्श्वगायक,अनुप जलोटा भजन सम्राट,मोहम्मद फैज गायक,अयान खान युवा प्रतिभा ,विंदू दारा सिंह अभिनेता,हर्षदीप कौर गायिका,डॉ. नितिन डांगे न्यूरोसर्जन व स्ट्रोक विशेषज्ञ अभिनव कामाजी प्रीतम ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ,डॉ. प्रशांत रासल झ सहआयुक्त, शहरी विकास विभाग ,पंकज देवरे अतिरिक्त ,कलेक्टर, पश्चिम उपनगर, मुंबई अनिलकुमार गायकवाड ,उपाध्यक्ष एवं एमडी, टफ्ह्ल नरसिंह विष्णु डिसाले झ संस्थापक अध्यक्ष, आदर्श एजुकेशन सोसायटी जगदीश कुमार गुप्ता अध्यक्ष, जे. कुमार इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड दशरथ कोकरे सोहम इम्पेक्स प्रा. लि. सुरज मंधारे आयुक्त, कृषि विभाइस अवसर पर मुख्य अतिथिः रुहान कपूर ,सिद्धांत कपूर होंगे। पुरस्कारों के बारे में बोलते हुए दत्तात्रय बालकृष्ण माने ने कहा, हमारा उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करना है जिन्होंने निःस्वार्थ और जुनून के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य किया है। उनके कार्यों को मान्यता देना न केवल उनकी प्रेरणा बढ़ाता है।

टेक्नोसर्व और सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से खाद्य तेलों के पोषण संवर्धन हेतु समझौता

मुंबई। भारत में खाद्य तेल उद्योग से संबंधित विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाली अग्रणी संस्था सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और आर्थिक विकास के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संस्था टेक्नोसर्व ने भारत में खाद्य तेल संवर्धन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हाल ही में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (ऋइरअक) के स्वैच्छिक तेल सुदृढ़ीकरण मानकों के अनुरूप, भारतीय उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण सुदृढ़ीकृत खाद्य तेल पहुंचाना है। यह साझेदारी खाद्य तेल उत्पादकों के कौशल को बढ़ाने पर केंद्रित होगी। इसके लिए द्विपक्षीय प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और क्षेत्र-व्यापी सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन के वैश्विक कार्यक्रम निदेशक रिजवान यूसुफली ने कहा, ऱहम खाद्य तेलों के पोषण संवर्धन में खाद्य तेल उत्पादकों को बेहतर समर्थन देने के लिए द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। हम उन खाद्य तेल उत्पादकों को सम्मानित करने के लिए तत्पर हैं जो स्वस्थ भारत में योगदान दे रहे हैं।₹ सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा, ऱटेक्नोसर्व इंडिया के साथ हमारा सहयोग भारत में पोषण संबंधी रूप से बेहतर और गुणवत्तापूर्ण खाद्य तेल उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए एसईए की साझेदारी को और मजबूत करता है। टेक्नोसर्व के सीनियर प्रैक्टिस लीड और मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन के प्रोग्राम लीड (एशिया) मोनोजीत इंद्र ने कहा, ऱटेक्नोसर्व अपने सदस्यों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से एसईए का समर्थन करेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. बी. वी. मेहता ने कहा, ऱयह समझौता ज्ञापन भारत में खाद्य तेल क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।₹ एसईए के बारे में 1963 में स्थापित, सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ ५ इंडिया (एसईए) देश में अग्रणी और सबसे बड़ा खाद्य तेल संबंधित संगठन है, जिसके साथ देश भर में 700 सदस्य जुड़े हुए हैं।

एलीट एलिवेटर्स की नई लॉन्च, बीस्पोक-भारत का पहला फुली कस्टमाइजेबल होम एलिवेटर

मुंबई। प्रीमियम होम एलिवेटर सेक्टर में एक अग्रणी ग्लोबल लीडर एलीट एलिवेटर्स ने, बहुमंजिला घरों और अपार्टमेंट में होम एलिवेटर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, एलीट एलिवेटर्स बीस्पोक लॉन्च किया है झ जो भारत का पहला फुली कस्टमाइजेबल, लक्जरी होम एलिवेटर है। चेन्नई स्थित कंपनी के मुख्यालय में इसका भव्य अनावरण हुआ, जिसमें वरिष्ठ प्रबंधन एवं कर्मचारीगण शामिल हुए। होम एलिवेटर उद्योग विकसित होने के साथ ही एलीट एलिवेटर्स अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी सहित बेजोड़ पर्सनलाइजेशन जैसे फीचर्स की बदौलत इस ट्रेंड में आगे बना हुआ है। बीस्पोक होम मोबिलिटी को पुनः परिभाषित करते हुए विविध वास्तुशिल्प शैलियों के साथ सहजता से एकीकृत होता है, जिससे एक सोफिस्टिकेटेड और शानदार अनुभव मिलता है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, एलीट एलिवेटर्स के फाउंडर और सीईओ श्री विमल बाबू ने कहा, एलीट एलिवेटर्स में, हमारा मिशन हमेशा विश्व स्तरीय नवाचारों के माध्यम से होम मोबिलिटी में क्रांति लाना रहा है। बीस्पोक एलिवेटर्स एडवांस्ड कस्टमाइजेबल फीचर्स से सुसज्जित है एवं इन्हें अति सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है जो ग्राहकों के दैनिक जीवन में सहजता से एकीकृत होने, अधिगम्यता, सुरक्षा और अनुवृत्ति बढ़ाने के साथ-साथ एस्थेटिक और टेक्नोलॉजी का परफेक्ट ब्लेंड है, जो ग्राहकों को लक्जरी का अनुभव कराता है। विमल ने कहा, ऱएलीट एलिवेटर्स बीस्पोक के लॉन्च के साथ, हम वास्तव में एक शानदार, कस्टमाइजेबल और बेजोड़ होम मोबिलिटी अनुभव प्रदान करके उद्योग का मानक बढ़ा रहे हैं। ग्राहक एलीट बीस्पोक को पर्सनलाइज करके अपने एलिवेटर का हर पहलू कस्टमाइज कर सकते हैं। लैंडिंग डोर कस्टम साइज में उपलब्ध हैं, जिनमें सेंटर या साइड ओपनिंग, कई प्रकार की फिनिश/रंग के विकल्पों सहित फुल ग्लास, ब्लाइंड और फायर-रेटेड वेरिएंट उपलब्ध हैं। लैंडिंग ऑपरेटिंग पैनल के लिए टच या बटन-बेस्ड कंट्रोल का विकल्प उपलब्ध है, जिसे इंटीरियर के अनुरूप कस्टमाइज्ड फिनिश और डिस्प्ले बैकग्राउंड के साथ तैयार करवाया जा सकता है। बीस्पोक के केबिन इंटीरियर के लिए आपको कई विकल्प मिलते हैं, जिसके अंतर्गत आप कॉर्नर और सीलिंग फ्रेम के रंग और आकार, फ्लोरिंग मटेरियल, यूनिक सीलिंग डिजाइन और वॉल फि निश को कस्टमाइज करवा सकते हैं। कार ऑपरेटिंग पैनल बटन को भी इंटीरियर के अनुरूप कस्टमाइज किया जा सकता है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम ने केल्विन में हिस्सेदारी बढ़ाकर 51% की

मुंबई। क्लीनरूम सॉल्यूशंस में विशेषज्ञता रखने वाली बीएसई लिस्टेड फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम लिमिटेड ने घोषणा की कि उसने केल्विन एयर कंडीशनिंग & वेंटिलेशन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (केल्विन) में अपनी हिस्सेदारी एक-तिहाई से बढ़ाकर 51% कर दी है। इस एक्वीजीशन के साथ, केल्विन अब फैक्टेक की सब्सिडियरी कंपनी बन गई है, जिससे दोनों कंपनियों के ऑपरेशंस और रिसोर्स में और मजबूती आएगी। यह कदम फैबटेक की ग्रोथ स्ट्रेटेजी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य क्लीनरूम पर्यावरण के लिए आवश्यक हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) क्षमताओं को मजबूत बनाना है। फैबटेक ने 2024 में केल्विन में एक-तिहाई हिस्सेदारी एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के रूप में हासिल की थी, ताकि वह अपने पोर्टफोलियो में एचवीएसी विशेषज्ञता को शामिल कर सके। अब इस हिस्सेदारी को 51% तक बढ़ाकर, फैबटेक अपने हाल ही में हुए आईपीओ के दौरान घोषित स्ट्रेटेजिक एक्वीजीशन प्लांस को एक्सीक्यूट कर रही है।

मुंबई स्थित केल्विन एक टर्नकी सिस्टम इंटीग्रेटर कंपनी है जो फार्मास्युटिकल, बायोटेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक और कॉमर्शियल बिल्डिंग्स जैसे क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण एचवीएसी एप्लिकेशन के लिए जानी जाती है। केल्विन को एक सब्सिडियरी कंपनी के रूप में शामिल करने से फैबटेक को केल्विन की विशेषज्ञता का पूरा लाभ मिलेगा और यह कंपनी के मुख्य क्लीनरूम व्यवसाय के साथ बेहतर तालमेल बनाएगा।

श्री ज्ञान राज एकता संस्था द्वारा माता की चौकी का आयोजन

भाईंदर। श्री ज्ञान राज एकता संस्था द्वारा मीरा रोड पूर्व स्थित न्यू गोल्डन नेस्ट में मगंलवार को माताजी के नाम संगीतमय माता की चौकी का आयोजन किया गया। समारोह में भजन गायक कमलेश सिंह एवं भजन गायिका विभा तिवारी द्वारा मनमोहक प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर रंग-बिरंगी झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। मां की ज्योत प्रज्वलित करने के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया।भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर डांस किया।माता की

चौकी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व महापौर डिंपल मेहता,बृजेश तिवारी, शैलेश पांडेय, श्रीकांत पाण्डेय, विद्याशंकर चतुवेर्दी, महेंद्र पाण्डेय, लालजी पाण्डेय,मीना कांगडे, रचना ,रेनु मल्लाह, गीता सिंह, चन्दावती तिवारी, संदीप तिवारी उपस्थित रहे एवं सभी ने मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ज्ञात हो की माता की चौकी कार्यक्रम का आयोजन श्री ज्ञान राज एकता संस्था की अध्यक्ष ज्ञानमती मिश्रा एवं राजेंद्र नाथ मिश्रा द्वारा किया गया था। आयोजित माता की चौकी कार्यक्रम में रंजना पाठक, रश्मि पाठक,पुनम शर्मा,सरोज सिंह, शकुन्तला बारी, शांति सिंह,रेखा सिंह, कुशुम सिंह,रीना सिंह,रतना राय, रचना सिंह, गीता सिंह,आनंदी उपाध्याय,सुमन मिश्रा एवं सावित्री मिश्रा का भरपूर सहयोग रहा।

कामगार योजना के 300 लाभार्थियों को गृहोपयोगी बर्तन वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के भूतपूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ के हाथों महाराष्ट्र इमारत व अन्य बांधकाम कामगार योजना के 300 लाभार्थियों को गृहोपयोगी बर्तन वितरण किया गया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कल्याण लोकसभा के सांसद डा.श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में बांधकाम मजदूरों के लिए यह योजना चलाई जा रही है। जिसमें 18 से 60 वर्ष आयु वाले बांधकाम कामगार सहित पिछले बारह महीनों में 90 दिनों से ज्यादा बांधकाम कामगार के तौर पर काम करने वाले कामगार इस योजना के लिए पात्र होते हैं। महाराष्ट्र शासन

की इस योजना के माध्यम से मेहनतकश महिला कामगारों को किचन में लगने वाले टँकी, प्लेट, ग्लास, पतीला इत्यादि जरूरत का सामना भेंट किया गया। जिसके बाद लाभार्थी महिलाओं ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद श्रीकांत शिंदे तथा पूर्व नगरसेवक महेश गायकवाड का आभार प्रकट किया।

पुणे विद्यार्थी गृह विद्या भवन विद्यालय को जिला स्तरीय टप्पा क्रमांक - २ अभियान के तहत प्रथम क्रमांक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पूर्व के पुणे विद्यार्थी गृह विद्या भवन स्कूल संस्था को महाराष्ट्र सरकार की ओर से आयोजित भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर आदर्श स्कूल योजना के अंतर्गत ₹मुख्यमंत्री मेरा विद्यालय, सुंदर विद्यालय₹ मुंबई उपनगरीय जिला स्तर पर चरण-2 अभियान के अंतर्गत प्रथम क्रमांक मिला है। प्रथम क्रमांक पाने वाले विद्याभवन हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज को ११ लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई। इस अवसर पर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के शिवसेना विभाग प्रमुख सुरेश पाटील के मार्गदर्शन एवं ईशान्य मुंबई घाटकोपर पूर्व की ओर से स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र बोराडे एवं सभी संचालकगण एवं कर्मचारियों का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर उपविभाग प्रमुख चंद्रपाल चंदेलिया, विधानसभा संगठक अशोक वांडेकर, विधानसभा निरीक्षक भूषण चव्हाण, शिव आरोग्य सेना के प्रकाश वाणी, शिक्षकेतर सेना के प्रदेश सचिव सचिन भांगे, शाखा प्रमुख विशाल चावक, महेश पोद्दार, प्रसाद कामटेकर, चंद्रकात हल्दनकर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एस्स्के ब्यूटी की रीब्रांडिंग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी सैलून ग्रोथ एक्सपर्ट कंपनी एस्सके ब्यूटी रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेडने हेयर एंड ब्यूटी शो इंडिया में अपने नए, बोल्ड लोगो का अनावरण किया है। कंपनी ने विजन २०३० के अपने भविष्य-दर्शी खाके के अनुरूप, वैश्विक स्तर पर विकास और नवाचार की दिशा में एक नई शुरूआत की है। नई-डिजाइन की गई ब्रांड आइडेंटिटी एस्सके ब्यूटी की अधिक संरचित और सेवा-केन्द्रित यात्रा को दशार्ती है। लोगो में प्रयुक्त गहरा और समृद्ध बेस कलर, उस पर बेज रंग की सौम्य परत के साथ, परिष्कृतता और अपनत्व का संतुलन प्रकट करता है। लोगो में दिल के आकार की रेखा देखभाल और परिवर्तन की भावना को दशार्ती है, जबकि स्टाइलाइज्ड चेकमार्क गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक है। ये सभी तत्व पिछले दो दशकों से कंपनी की विरासत का हिस्सा रहे हैं।

एस्सके ब्यूटी रिसोर्सेज के निदेशक अंकित विरमानी ने कहा, एचबीएस इंडिया में हमारी नई पहचान का अनावरण करना हमारे उत्साह को दुनिया के साथ साझा करने का सबसे सही क्षण रहा। यह लोगो केवल एक दृश्यात्मक बदलाव नहीं है, बल्कि यह दशार्ता है कि हम कौन हैं और कहाँ जा रहे हैं। जैसे-जैसे हम वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहे हैं और साझेदारियों को मजबूत कर रहे हैं, यह रीब्रांडिंग हमें एक अधिक लचीली, सेवा-प्रधान संस्था बनने की दिशा में ले जा रही है। दिल जो देखभाल को दशार्ता है और चेकमार्क जो विश्वास का प्रतीक है, हर विवरण में हम यह संकेत दे रहे हैं कि एस्सके ब्यूटी सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्राहक सहभागिता को बढ़ाने के लिए कंपनी ने शैक्षणिक पहलों और सैलून के लिए विस्तारित समर्थन जैसी रणनीतियाँ अपनाई हैं; जिससे सैलून सिर्फ उत्पाद खरीदते नहीं, बल्कि ब्रांड के साथ मिलकर विकसित होते हैं। अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत करते हुए, एस्सके ने दो नई श्रेणीयां प्रस्तुत की हैं। एलिट श्रेणी प्रीमियम ब्रांड्स जैसे रिका, मिस्टर बार्बर, ओला कैंडी, वैक्सो और स्किनोरा पर केंद्रित है। लक्ज श्रेणी लक्जरी ब्रांड्स जैसे कैस्मारा, रिका हेयरकेयर, ओलिविया गार्डन और मैकाडेमिया को शामिल करता है। इस वर्गीकरण के चलते कंपनी का संचालन और भी अधिक संगठित बन रहा है।

एस्सके ब्यूटी रिसोर्सेज के निदेशक शुभम विरमानी ने कहा, यह रीब्रांडिंग हमारे सैलून भागीदारों के लिए हमारी प्रतिबद्धता का नवीनीकृत वादा है – क्योंकि ये सैलून सिर्फ हमारे वितरक नहीं, बल्कि हमारे विकास और सफलता के महत्वपूर्ण साझेदार हैं। हमारी टीम फील्ड में सक्रिय है, और केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि शिक्षा, प्रशिक्षण और रियल-टाइम समाधान भी प्रदान करती है।

हमारा उद्देश्य है कि हम सैलून को सशक्त बनाएं ताकि वे आगे बढ़ें, स्केल करें और हमारे साथ सफल हों। वैश्विक विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भी, हम अपने इस मूल उद्देश्य से गहराई से जुड़े हुए हैं। २००२ में स्थापित एस्सके ब्यूटी आज ३०० से अधिक शहरों में सक्रिय है और २२,००० से ज्यादा सैलून पार्टनर्स के साथ जुड़ी हुई है। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स जैसे रिका वैक्स और कैस्मारा को भारत में लाने से लेकर स्किनोरा और मिस्टर बार्बर जैसे इन-हाउस ब्रांड्स के निर्माण तक, एस्सके ने प्रोफेशनल ब्यूटी सेक्टर को आकार देने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

भारतीय ज्ञान परंपरा में समाहित है वैज्ञानिक दृष्टिकोण: प्रो.बीएल शर्मा

◆ भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोणश विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर, फामेर्सी भवन में किया गया।राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीएल शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा न केवल अध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि उसमें वैज्ञानिक चिंतन और तर्क शीलता की गहराई भी समाहित है।उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारने की प्रक्रिया है। इसमें प्रकृति, मानव और ब्रह्मांड के मध्य संतुलन की बात की गई है, जो आज के सतत विकास की अवधारणा से मेल खाती है।उन्होंने कहा कि जीवन में विपत्ति से बचाव के पांच ही साधन है। मंत्र, मणि, औषधि, स्नान और दान। उन्होंने कहा कि श्रुति, स्मृति, सदाचार, आत्मा की आवाज से धर्म बनता है। साथ ही कहा कि हमारी संस्कृति भाषण से नहीं आचरण से सिखाने की है। पश्चिम ने मशीन को महत्व दिया हमारे देश ने मानव को प्रमुख माना। उन्होंने सनातन से लेकर आयुर्वेद और धर्म की विस्तार से व्याख्या की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि जीवन में धर्म का आचरण करने से बहुत से समस्याओं का समाधान खुद ही हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना को एक वृक्ष के उदाहरण से समझाते हुए कहा कि जब वृक्ष हरा भरा रहेगा तभी वह विकसित होगा और अच्छे फल देगा। उन्होंने कहा कि हम भारतीय ज्ञान परंपरा पर शोध के लिए नया ग्रुप बना रहे हैं। इस संबंध में एक एमओयू भी शीघ्र किया जाएगा। बतौर मुख्य वक्ता बीएचयू के डॉ. एम. के सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय परंपरा का मुख्य आधार संगीत रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रों के रिद्म, राग और उच्चारण का मानव के जीवन में अलग-अलग प्रभाव है। उन्होंने कहा कि बहुत से रोगों का निदान मेडिसिन से नहीं, थिरैपी और योग के माध्यम से संभव होता है। बीएचयू के आईएमएस प्रो. अजीत सिंह ने कहा कि भारत में बहुत से आधुनिक रोग, मस्कुलर पेन, बैक पेन, सरवाइकल पेन जैसी समस्या का समाधान योग, थिरैपी और मेडिटेशन से संभव है। इसमें खासतौर से खान-पान और लाइफस्टाइल को बदल कर ठीक किया जा सकता है। बीएचयू आईएमएस के डॉ. शुभम श्रीवास्तव ने आदमी की दिनचर्या, बैठने के पोस्चर, सूर्य की किरणों से लाभ को भारतीय परंपरा से जोड़ते हुए विस्तृत ढंग से प्रकाश डाला। कहा कि हमारे यहां प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, योग शुरू से ही भारतीय परंपरा में था।

प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने धर्म के मापनी विकास शोध पत्र को विस्तार से समझाया। कहा कि धमार्नुकूल आचरण करने वाला ही जीवन में सफल होता है। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र एवं विषय प्रवर्तन प्रो मानस पांडे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ धीरेन्द्र कुमार चौधरी ने किया।इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो देवराज, प्रो प्रमोद यादव, प्रो मनोज मिश्र, प्रो सौरभ पाल, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. शचींद्र मिश्र, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. नीतेश जायसवाल, आदि सभी विभाग के संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

खेतासराय: कहने को आदर्श नगर पंचायत लेकिन सुविधा गांव से भी बदतर

निशानाथ

साफ सफाई न होने से नालियां हुई चोक, जल जमाव से उठ रही दुर्गंध

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत खेतासराय में टूटी नालियां और नालियां चोक होने से बजबजा रहा गंदा पानी, जिससे संक्रामक रोग फैलने का भय नागरिक को सता रहा है। इसको लेकर नगर वासियों ने नगर पंचायत खेतासराय को लिखित प्रार्थना-पत्र के माध्यम से अवगत कराया। बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं हो सका तो खुद जाम नालियों को साफ करने के लिए नागरिक उतर गए। जो क्षेत्र के चर्चा का विषय बना हुआ है और नगर पंचायत खेतासराय की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं मजे की बात यह है कि यह समस्या नगर पंचायत कार्यालय के ठीक सामने का मामला है। स्थानीय निवासी अनिल कुमार ने बताया कि नियमित सफाई न होने के कारण वार्ड की नालियों में गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया जिससे दुर्गंध आती है। हम लोगों ने कई बार लिखित रूप से शिकायत कीं, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वही स्थानीय निवासियों का कहना है कि पानी निकासी के लिए बनी नालियां टूट गयी है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है। जिससे न सिर्फ बदबू आती है बल्कि आवागमन में भी असुविधा हो रही है। मोहल्ले में फॉगिंग न होने से डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का भय है इस वार्ड नई सुविधा गांव से भी बत्तर हो गयी है कहने को नगर पंचायत है शिकायत के बावजूद भी नगर पंचायत की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई तो मजबूर होकर मोहल्ले के नागरिकों ने खुद ही झाड़ू, फावड़ा और टोकरी उठाकर सफाई अभियान शुरू कर दिया।

भारी संख्या में श्रमदान किया। नागरिकों ने मांग की है कि नगर पंचायत जल्द से जल्द नालियों की मरम्मत कराए और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे और बीमारियों से बचाव हो सके। जनता की इस पहल ने एक बार फिर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सवाल इस बात का है कि नगर पंचायत खेतासराय द्वारा आम समस्याओं को लेकर इतना उदासीन क्यों है आखिर क्या मजबूरी है कि जनता की समस्या को लेकर समाधान करने में पीछे हो रहा है। वह अलग बात की स्वच्छ भारत, स्वास्थ्य भारत का कागजी घोड़ा दौड़ाया जा रहा है। वही दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा संचारी रोग अभियान के तहत जागरूकता अभियान कैसे साकार होगा। जब खुद जिम्मेदार इसकी धज्जियां उड़ाने में लगे हो।

आम के बाग में नग्न अवस्था में युवक की लाश मिलने से मचा हड़कंप

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

शब्बीर हैदर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सरपतहां थाना क्षेत्र अंतर्गत उपाध्यायपुर,गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के पास स्थित आम के बाग में एक युवक की नग्न अवस्था में लाश मिली। मृतक की पहचान अनुराग पंडित (34 वर्ष), पुत्र शिवबचन पंडित के रूप में हुई है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।परिजनों के अनुसार अनुराग मंगलवार शाम किसी मित्र के साथ थोड़ी देर में लौटने की बात कहकर घर से निकला था। रात करीब 8 बजे उसकी अंतिम बार बातचीत अपने बड़े भाई अनुपम पंडित से हुई थी, जिसमें उसने जल्द लौटने की बात कही थी। लेकिन जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

बुधवार सुबह लगभग 6 बजे, गांव से लगभग 200 मीटर दूर खुटहन थाना क्षेत्र के फतेगढ़ स्थित एक आम के बाग में अनुराग की नग्न अवस्था में लाश पड़ी मिली। शव मिलने की सूचना मिलते ही सरपतहां थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी।बताया जा रहा है कि मृतक की प्रवृत्ति दबंग किस्म की थी और उसकी कई लोगों से पुरानी दुश्मनी थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या की गई है। घटनास्थल पर क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत कुमार सिंह चौहान, सरपतहां थाना प्रभारी अमित सिंह अपने दल-बल के साथ पहुंचे और परिजनों से पूछताछ की।फिलहाल पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही युवक की मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

छह वर्षों से जल संकट से जूझ रहे मोहल्ले वासियों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर के वार्ड नंबर 25, मीरपुर अंतर्गत मानेपुर, रशीदाबाद , बड़कपुर, सर्फराजपुर और विशेषरपुर मोहल्लों के निवासियों ने क्षेत्र में पिछले छह वर्षों से चली आ रही गंभीर जल समस्या को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। स्थानीय मोहल्ले वासियों का कहना है कि क्षेत्र में जलापूर्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है।ज्ञापन के माध्यम से मोहल्ले के लोगो ने अवगत कराया कि नलों में नियमित रूप से पानी नहीं आता, और जब आता भी है तो उसकी मात्रा इतनी कम होती है कि वह दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ है। स्थिति यह है कि कई दिनों तक जल आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहती है।जिसके कारण क्षेत्रवासियों को मजबूरी में दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ता है।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि भूजल स्तर में लगातार गिरावट के चलते हैंडपंपों का जल स्रोत भी सूख चुका है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। नागरिकों ने बताया कि इस समस्या के समाधान हेतु कई बार नगर पालिका अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए नागरिकों ने जिलाधिकारी से तीन मुख्य मांगें की है। 1. क्षेत्र में एक नए ट्यूबवेल की स्थापना 2. पाइपलाइन बिछाने और जल आपूर्ति प्रणाली के उन्नयन की व्यवस्था 3. भूजल स्तर सुधार हेतु दीर्घकालिक समाधान अपनाना।ज्ञापन देने वालों मे एडवोकेट कतेंदर बिंद, रीता, सतीमा, प्रदीप, रिचिश मौर्य, प्रवीण कुमार, पलाश, प्रेम नाई, भीगीता निशा, लालचन्द्र मौर्य, ज्योति, पूनम, इंद्रावती, राजन मोहन, वृजनाथ मिश्रा, नगीना, मीना, युकीत बिंद, सुनिता, अनिषा मिश्रा, अनुराधा, अखिलेश सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी शामिल रहे ।स्थानीय लोगों ने आशा व्यक्त की है कि जिला प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों को इस जल संकट से राहत मिल सके।

मजदूरों का हक मारने वाली योगी सरकार को 2027 में सत्ता से बाहर करेंगे प्रदेश के मजदूर: डॉ.अमित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी मजदूर सभा, जौनपुर की तरफ से कलेक्ट्रेट के सामने अर्जुन भवन में मासिक बैठक हुई। तमाम पदाधिकारी मौजूद रहकर समाज में दबे कुचले वर्ग व मजदूरों की समस्याओं पर अपने विचार रखें।इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव डा. अमित यादव ने अपने विचार ब्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। अमित यादव ने मौजूदा सरकार की नीतियों का विश्लेषण करते हुए कहा कि भाजपा सरकार मजदूरों का शोषण कर रही हैं और उनके हक के पैसे का दुरूपयोग कर रही हैं। बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर बोर्ड के बजट का घोटाला हो रहा हैं। पूर्व में अखिलेश यादव जी के नेतृत्व वाली समाजवादी सरकार में इस बजट से मजदूरों को साइकिल बाटी गई थी और आज सरकार इसे सामूहिक विवाह कराने में खर्च कर रही। अभी कुछ दिनों पूर्व जौनपुर में सामूहिक विवाह के 1000 जोड़े को आशीर्वाद देंने मुख्यमंत्री आए थे। इसमें एक भाई बहन की शादी करा दी गई साथ ही प्रशासन के लोग अभी तक इस योजना में लाभार्थी जोड़ों का नाम भी सार्वजनिक नहीं कर पाई हैं। इससे साफ प्रतीत होता हैं कि मजदूरों के हक का पैसा का सरकार घोटाला कर रही हैं। ऐसी सरकार को उत्तर प्रदेश के मजदूर 2027 सत्ता से बाहर करेंगे। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद पांडे, प्रदेश सचिव साहब लाल गौतम एवं अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया। जिलाध्यक्ष ने सभी विधानसभा अध्यक्षों से अनुरोध किया कि बाबासाहेब की जयंती स्वाभिमान स्वमान दिवस के रूप में मनाये। मासिक बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रदीप यादव, सादिक अली, देवशरण यादव, मनीष शर्मा, डॉ अजय यादव, बीरेंद्र, विशाल कन्नौजिया, मो अजीम, जेके निषाद, इंद्रेज, मेंहदीलाल, अरविंद यादव अमरनाथ सेठ, अनीस खान, सदानंद, संदीप मौजूद रहे। संचालन जिला महासचिव मंजय कन्नौजिया ने किया।

जौनपुर में तीन दिन के अंतराल में एक ही परिवार के तीन लोगों को आया हार्टअटैक, हुई मौत, गांव में दहशत

रियाजुल हक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के तेजीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत छतौली गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की लगातार मौत ने परिवार सहित पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है। मंगलवार को परिवार के मुखिया सभापति यादव का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। यह घटना ठीक उसके एक दिन बाद हुई।जब सोमवार को उनके भतीजे राहुल यादव की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इससे पहले, एक महीने पहले ही उनके बेटे ओमप्रकाश यादव की भी दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो चुकी थी। आशीष ने किया पूरी दुनियां में भारत का झण्डा बुलंद : पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव, जानकारी के अनुसार, मृतक राहुल यादव गुजरात में प्राइवेट नौकरी करते थे। उनकी पांच साल पहले शादी हुई थी और एक चार साल की बेटी है। माँ इंद्रावती देवी स्थानीय प्राथमिक विद्यालय में रसोइया का काम करती हैं।

ट्रक की चपेट में आने से तीन बच्चों सहित चार लोगों की मौत

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। ट्रक की चपेट में आने से तीन बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के नैनी थाना इलाके में नए यमुना पुल के पास निमार्णाधीन रेलवे पावर हाउस के पास बुधवार तड़के 3 बजे यहां पर गिट्टी लादकर चालक ट्रक लेकर पहुंचा। इसके दौरान ट्रक बैक करते समय तीन बच्चों के साथ मजदूर छोटेलाल (45) पुत्र देवशरण चपेट में आ गए। हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक शंकरगढ़ थाना इलाके के कपारी गांव का रहने वाला था। थाना प्रभारी नैनी वैभव सिंह ने बताया कि गाड़ी को थाने लाया गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। मृतक और उसका परिवार यहां पर बन रहे पावर हाउस में काम करता था। बच्चों का नाम अभी नहीं मिल पाया है, परिजनों को सूचना दी गई है। परिजनों के आने के बाद नाम स्पष्ट हो सकेगा।

किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसानों ने समस्याओं को लेकर सोंधी ब्लाक कार्यालय पर बुधवार को बैठक की। जिसमें शाहगंज तहसील में गन्ना मिल खोलने की मांग उठाई गई। बैठक के बाद पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम बीडीओ पीयूष त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा।बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष रामधारी बिन्द ने की। बैठक में किसानों और मजदूरों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक के उपरांत बीडीओ के सामने अपनी समस्याएं रखते हुए पत्रक सौंपा। जिसमें शाहगंज तहसील में एक गन्ना मिल और शाहगंज से खुटहन के बीच कोल्ड स्टोरेज खोलने का प्रमुख मुद्दा रहा। संचालन विवेक बिंद ने किया। बैठक में अशोक कुमार बिंद, बलराम बिंद, राजेन्द्र प्रसाद राजभर, टिल्टू बिंद मौजूद रहे।

आचार संहिता उल्लंघन के मामले में दोषमुक्त हुए पूर्व सांसद धनंजय सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को आचार संहिता उल्लंघन के मामले में सिविल जज सीनियर डिवीजन अनुज कुमार जौहर की कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। आपको बता दें कि यह मामला लगभग 8 वर्ष पुराना 15 फरवरी 2017 का है। उस समय पूर्व सांसद धनंजय सिंह निषाद पार्टी से चुनाव लड़ रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफिले की जांच की गई थी। जांच में पाया गया था कि काफिले में 50 से अधिक दोपहिया वाहन और 30 चार पहिया वाहन शामिल थे जिसके चलते नईगंज, कलीचाबाद में जाम हो गया था।वहीं चुनाव आयोग की तरफ से जारी गाइडलाइन में यह निर्देश था कि कोई भी प्रत्याशी तीन से अधिक चार पहिया वाहन से अधिक लेकर नहीं चल सकता। आचार संहिता उल्लंघन के आधार पर पुलिस अधीक्षक और आरओ के निर्देश पर शहर कोतवाली में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी अधिवक्ता दीपेंद्र यादव ने गवाहों के बयान दर्ज कराए। पूर्व सांसद धनंजय सिंह के अधिवक्ता ने भी कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे। पूर्व सांसद धनंजय सिंह के अधिवक्ता ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज को कोर्ट में साबित नहीं किया गया। इतना ही नहीं गवाहों के बयानों में भी विरोधाभास था और कई गवाहों ने कहा कि उन्होंने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को जुलूस में देखा ही नहीं। इसके अलावा नक्शा नजरी भी कई दिनों बाद बनाया गया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साक्ष्य के अभाव में पूर्व सांसद धनंजय सिंह को दोषमुक्त कर दिया।

सारनाथ में बीते 15 वर्षों से रह रहा था बांग्लादेशी, एटीएस ने किया गिरफ्तार

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ में यूपी एटीएस ने फर्जी भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड और पैन कार्ड सहित अन्य कागजात की मदद से सारनाथ चौक, बरईपुर में किराये पर 15 साल से रह रहे बांग्लादेशी को मंगलवार की रात गिरफ्तार किया। गिरफ्त में आए आरोपी की पहचान बांग्लादेश के बंदरवन जिले के नायककपारा रूमा निवासी होल मोंग सिंग मार्मा के रूप में हुई है। सारनाथ चौक, बरईपुर में वह किराये के मकान में मोंग फ्रू मोग के नाम से बने कागजात की मदद से रह रहा था। यूपी एटीएस की वाराणसी इकाई ने सारनाथ थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा कर उसे पुलिस को सौंप दिया।

मोंग फ्रू मोग के अनुसार वह बौद्ध धर्म का अनुयायी है। उसके पास से भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण कागजात बरामद किए गए हैं। यूपी एटीएस की वाराणसी इकाई को सूचना मिली थी कि मोंग फ्रू मोग बांग्लादेशी है। वह फर्जी कागजात की मदद से सारनाथ में रह रहा है। जांच में मामला सही पाए जाने पर एटीएस की टीम मोंग फ्रू मोग को सारनाथ थाने लाई। एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम की पूछताछ में उसने बताया कि वर्ष 2010 में अवैध तरीके से मिजोरम आया था। वहां सक्रिय भारत में अवैध तरीके से बसाने वाले गिरोह की मदद से उसने फर्जी भारतीय पासपोर्ट वगैरह बनवाया। इसके बाद असम और बिहार होते हुए सितंबर 2010 में सारनाथ आया। सारनाथ में वह बुद्धिस्ट टेंपल में हेल्पर का काम करने लगा। सारनाथ के पते पर आधार कार्ड भी बनवा लिया। बुद्धिस्ट टेंपल में कम पैसा मिलने के कारण वह वहां काम करना छोड़ दिया। फिलहाल वह सारनाथ म्यूजियम के समीप हैंडीक्राफ्ट की एक दुकान में 15 हजार रुपये प्रतिमाह पर काम कर रहा था। डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी, एसीपी सारनाथ ने बताया कि एटीएस ने एक बांग्लादेशी को गिरफ्तार कर सारनाथ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। विस्तार से पूछताछ की जा रही है। आरोपी को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। मोंग फ्रू मोग ने बताया कि वर्ष 2019 में म्यांमार के पर्यटकों का एक दल सारनाथ आया था। उस दल की एक युवती से उसकी दोस्ती हुई। उससे मिलने के लिए वह म्यांमार गया और वर्ष 2019 में ही उससे शादी कर ली। फिलहाल उसकी पत्नी म्यांमार में ही रहती है।

ऐतिहासिक काली-अन्नपूर्णा-चौरा माता का हुआ भव्य श्रृंगार

◆ लोगों ने दर्शन-पूजन करके ग्रहण किया प्रसाद, लगा जयकारा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला नखास स्थित ऐतिहासिक काली-अन्नपूर्णा-चौरा माता मन्दिर का भव्य श्रृंगार हुआ। एकाद्वशी के दिन आयोजित यह अनुष्ठान पिछले कई दशकों से होता चला आ रहा है। क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में प्रातः माता रानी के दरबार को भव्य ढंग से सजाया गया जो भक्तों के लिये आकर्षण का केन्द्र बना रहा। शाम को आरती के बाद कन्या पूजन किया गया जिसके बाद भण्डारा शुरू हुआ जो देर तक अनवरत चलता रहा। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक अशोक जायसवाल गप्पू ने किया। इस दौरान जहां क्षेत्रीय महिलाओं ने मन्दिर प्रांगण में पचरा गाया, वहीं भक्ति गीत की धुनों पर माता रानी के भक्त थिरकते नजर आये। कार्यक्रम को सफल बनाने में गहना कोठी परिवार के विवेक सेठ मोनू के अलावा अंकुर साहू, मक्खन जायसवाल, पूर्व सभासद लक्ष्मण बेनवंशी, संतोष गुप्ता, गुड्डू यादव, चुनमुन जायसवाल, बाढू यादव, आर्यन जायसवाल, शुभम सरोज, प्रतीक जायसवाल, मनीष सरोज, विकास जायसवाल, मोहित निषाद, पंडित जायसवाल, निषाद पार्टी के नगर अध्यक्ष आशीष निषाद, जसवन्त निषाद सहित तमाम लोगों का सहयोग रहा। अन्त में संतोष निषाद ने समस्त आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारत विकास परिषद शौर्य ने शाखा संयोजकों का किया चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक और लगातार तीसरी बार चयनित अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में शहर के प्रतिष्ठित सभागार में बैठक हुई जहां काशी प्रांत के पदाधिकारियों के निदेर्शानुसार सर्वसम्मति से शाखा संयोजकों का चयन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण और दीप प्रज्जवलित किया गया जिसके बाद संगठन के पदाधिकारियों ने वंदे मातरम गीत गाया।

इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय ने कहा कि काशी प्रांत की नई कार्यकारिणी द्वारा शाखा संयोजकों का पद सृजन एक सराहनीय निर्णय है। इसके द्वारा निश्चित रूप से शाखा के कार्यक्रमों को बल मिलेगा। इसी क्रम में सचिव अवधेश गिरी ने शाखा संयोजकों के दायित्व के विषय में लोगों को बताया।

इसके अलावा वर्तमान कोषाध्यक्ष जनार्दन पाण्डेय और संगठन सचिव जयशंकर सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। अध्यक्ष की अनुमति से शाखा संयोजकों की चयन प्रक्रिया का आरंभ हुआ जहां सर्वप्रथम शाखा संयोजक 'सम्पर्क' के रूप में अतुल जायसवाल, शाखा संयोजक 'सेवा' के लिए दया निगम, शाखा संयोजक 'संस्कार' के लिए नीरज श्रीवास्तव, शाखा संयोजक 'पर्यावरण' के लिए पंकज सिंह का चयन किया गया। सभी पदाधिकारियों का जोरदार तालियों से स्वागत किया गया।इसके अतिरिक्त बैठक में वर्ष भर की बैठकों के संयोजक के रूप में नित्यानंद पाण्डेय तथा रचनात्मक गतिविधियों के संयोजक के रूप में सम्मिलित रूप से नीरज श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष और राहुल पाण्डेय को नियुक्त किया गया। अंत में राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान कोषाध्यक्ष अमित पाण्डेय ने किया।

बड़ागांव में उत्तर प्रदेश के पहले अत्याधुनिक स्वचालित परीक्षण केंद्र का भव्य शुभारंभ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव में उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग द्वारा अधिकृत और आश्वी इंफ्राजोन एटीएस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित राज्य के पहले अत्याधुनिक स्वचालित परीक्षण केंद्र का मंगलवार को बड़ागांव थाना क्षेत्र के बसनी (बिसेनपुर) में भव्य शुभारंभ किया गया।इस केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा किया गया।जबकि मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) शिखर ओझा ने फीता काटकर इसका औपचारिक उद्घाटन किया।

रामायण का संगीतमय नाटक मंचन हुआ प्रतिनिधि

इंदौर। रामनवमी के शुभ अवसर पर इंदौर के आनंद मोहन माथुर सभागृह में रामायण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के निदेशक राजेश मिश्रा और कोरियोग्राफर श्रीमती जयंती माला मिश्रा थीं। कार्यक्रम में सीता के रूप में संगीता तिवारी, राम के रूप में कुणाल छाबरा, लक्ष्मण के रूप में सम्राट, कौशल्या के रूप में सुधा सिंह और हनुमान के रूप में अमन कुमार ने अभिनय किया। इस कार्यक्रम का प्रबंधन डाक्टर संपता ने किया। उपस्थित दर्शकों ने संगीतमय मनोहर रामायण का आनंद लिया। मुख्य अतिथि जोगेन्द्रसिंह भदौरिया एवं अन्य महानुभावों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संगीता तिवारी ट्रस्ट एवं महान नृत्यांगना साम्राज्ञी सितारा देवी गुरू कुल तथा कलाकृति केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र कुमार सिंह के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर, प्रतिमा वर्मा के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर के नेतृत्व में उ0नि0 अरविन्द यादव प्र0चौकी कस्बा मछलीशहर मय हमराह का0 आशीष साहनी के द्वारा मु0अ0सं0 62/25 धारा 303(2)/131/317(2) बी0एन0एस0 मे चोरी गयी एक एण्ड्रायड मोबाईल व मु0अ0सं0 95/25 धारा 303(2)/131/317(2) बी0एन0एस0 मे चोरी गये दो अंगुठी पीली धातु ,कान की एक जोडी वाली पीली धातु ,कानी की एक जोडी टप्स पीली धातु के साथ मुखबीर की सूचना पर अभियुक्त मो0 कबीर पुत्र अब्दुल कादिर निवासी कृपाशंकर नगर लायल वण्डर स्कुल के पीछे थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर पावर हाउस पुराफगुई से आज09.04.2025 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय मा0 उच्चतम न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेश/निर्देशो का पालन किया गया है। तथा गिरफ्तार शुदा आरोपीगण को मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है ।

राहुल सांकृत्यायन की जयंती पर उनके जीवन से जुड़े स्कूलों में हुआ कार्यक्रम

निजामाबाद, आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। मंगलवार को महापंडित राहुल सांकृत्यायन की 132वीं जयंती 9 अप्रैल के अवसर पर आजमगढ़ नागरिक समाज की तरफ से राहुल सांकृत्यायन को जानें अभियान के तहत निबंध, चित्रकला और भाषण की गतिविधियों का कार्यक्रम बच्चों के बीच में हुआ। प्राथमिक विद्यालय रानी की सराय, राहुल पूर्व माध्यमिक विद्यालय निजामाबाद और राहुल प्राथमिक विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय पन्दहा में भाग लेने वाले छात्रों को मैग्सेसे पुरस्कार सम्मानित डॉ संदीप पांडेय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राहुल सांकृत्यायन के ननिहाल में स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित डॉ. संदीप पांडेय ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन ने जिस दुनिया की कल्पना की उसमें भेदभाव, आडंबर, गैरबराबरी नहीं होगी। राहुल के तार्किक विचार बच्चों को बेहतर जीवन देंगे। बच्चों ने निबंध में जो विचार व्यक्त किए उससे स्पष्ट है कि इन पाठशालाओं में सैकड़ों राहुल पढ़ रहे हैं ।राजीव यादव और राजशेखर ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन ने रानी की सराय में प्राथमिक और निजामाबाद में मिडिल की पढ़ाई की थी। राहुल सांकृत्यायन के जीवन से जुड़े स्कूलों में राहुल को जानें कार्यक्रम के जरिए राहुल के जीवन और विचारों को बच्चों तक पहुंचाया गया। राहुल सांकृत्यायन की विरासत को सहेजने के लिए इन स्कूलों में लाइब्रेरी और राहुल सांकृत्यायन की प्रतिमा स्थापित की जाए। इस ऐतिहासिक स्मारक पर देश और दुनिया के लोग पहुंचना चाहते हैं इसलिए इन स्थलों का संवर्धन जरूरी है।आजमगढ़ नागरिक समाज के युवा साहित्यकार सत्यम प्रजापति ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन का जीवन कोई स्थिर जीवन नहीं था वह एक सतत यात्रा थी जो आत्मसंधान की थी, विचारों की थी और मानव मुक्ति की थी। कवि राजनाथ यादव ने बच्चों को कविताएं और गीत सुनाया। आजमगढ़ नागरिक समाज ने राहुल सांकृत्यायन के ननिहाल पन्दहा जहां उनके नाम से प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालय है वहां की खस्ताहाल सड़क बनवाने की मांग की। जिससे राहुल को खोजते हुए देश दुनिया के लोग आसानी से पहुंच सकें ।राहुल सांकृत्यायन को जानें कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र यादव, अधिवक्ता विनोद यादव, अवधेश यादव, अकरम, चंद्रेश यादव फौजी, श्याम सुंदर मौर्या, नंद लाल यादव आदि ने बच्चों के बीच अपने विचार व्यक्त किए।

एलन मेगा ओरियंटेशन में शामिल हुए 6 हजार से अधिक स्टूडेंट्स-पेरेंट्स

पटना (उत्तरशक्ति)। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट पटना का मेगा ओरियंटेशन सेशन आगाज बापू सभागार में हुआ। सेशन में 6 हजार से अधिक स्टूडेंट्स व पेरेंट्स शामिल हुए। सेशन में टॉपर्स टॉक भी हुई, जिसमें आईआईटी जेईई व नीट के टॉपर्स ने स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब दिए। मोटिवेशन और टॉपर्स टॉक सेशन में स्टूडेंट्स का उत्साह देखते ही बना। एलन के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि एलन एक कमिटमेंट के साथ बिहार में आया है। स्टूडेंट्स को यहां बेस्ट कोचिंग और कॅरियर दिया जाएगा, साथ ही केयरिंग भी फोकस रहेगा। यहां के यूथ के सपनों को पूरा करने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। एलन बिहार के जोनल हेड एवं वाइस प्रसीडेंट डॉ.विपिन योगी ने स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि एलन 37 साल की अनुभवी विरासत के साथ बिहार में कार्य कर रहा है। सिस्टम में स्टूडेंट्स के हित को सर्वोपरि मानते हुए नीतियां बनाई गई है। उन्होंने विभिन्न टॉपिक्स पर एलन में वर्ष पर्यन्त होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। स्टूडेंट्स के साथ पेरेन्ट्स को भी दिशा निर्देश दिए गए। स्टूडेंट्स को पढ़ाई, परीक्षा, रिवीजन, क्लासेज सहित अन्य जानकारियां दी गई। स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स को कोटा कोचिंग की खासियत और एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सिस्टम से परिचित करवाया गया। मेगा ओरियंटेशन में एम्स पटना से एलन के 11 एलुमिनाई भी शामिल हुए। डॉ.विपिन योगी ने इस अवसर पर एलन पटना कैम्पस को फ्री स्मार्ट फोन जोन रखने की घोषणा की, जिससे की स्टूडेंट एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर सके। बिहार में पहली बार इस तरह का प्रयोग होने जा रहा है, जब किसी कैम्पस को स्मार्ट फोन फ्री रखते हुए पढ़ाई करवाई जाएगी। इस दौरान टॉपर्स टॉक मेंएम्स दिल्ली के स्टूडेंट नीट-2024 के आल इंडिया टॉपर बिहार के एलन स्टूडेंट माजिन मंसूर, आईआईटी मुम्बई के स्टूडेंट जेईई-एडवांस्ड आल इंडिया रैंक-49 एलन के अवध हिन्डोचा व जेईई-एडवांस्ड आल इंडिया रैंक-66 एलन के मृगांक गोयल मौजूद ने स्टूडेंट्स को सक्सेज टिप्स दिए।

चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया के निधन पर शोक संवेदना में संभ्रांतजनो का लगा तांता

सुलतानपुर। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी उत्तर भारतीय समाज रत्न से सम्मानित चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया का गत दो अप्रैल को हृदय गति थम जाने से अकस्मात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था। उनके ज्येष्ठ सुपुत्र श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल रिंकू, छोटे सुपुत्र प्रशांत शुक्ल पी के और सबसे छोटे सुपुत्र जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल के द्वारा समस्त कार्यक्रम उनके पैतृक गांव उत्तर प्रदेश के जनपद सुलतानपुर से किया जा रहा है। बेबी भइया के निधन पर उनके पैतृक निवास हरि ॐ भवन रेवारी बेलहरी सुलतानपुर में पूर्व मंत्री महाराष्ट्र एवं पूर्व सांसद रमेश दुबे, मुंबई जीएसटी कमिश्नर अखिलेश पांडेय, सुलतानपुर पुलिस प्रशिक्षण अधीक्षक ब्रजेश मिश्र, कपाली महाराज, पूर्व मंत्री व विधायक विनोद सिह, पुर्व मंत्री विनोद सिंह, एमएलसी अक्षयप्रताप गोपाल, विधायक राज बाबू, विधायक सीताराम वर्मा, पूर्व मंत्री जयनारायण तिवारी, बाहुबली नेता कृष्ण कुमार पांडेय कक्कू पांडेय, पूर्व प्रमुख राम शब्द मिश्र, पूर्व विधायक देवमणि दुबे, भाजपा पूर्व प्रत्याशी इसौली ओमप्रकाश पांडेय बजरंगी, प्रोफेसर सुशील पांडेय, यूपी और उत्तराखंड इंडिया टूडे न्यूज हेड चीफ आशीष मिश्रा,पूर्व विधायक अर्जुन सिंह,पूर्व विधायक अरुण वर्मा, कादीपुर सी ओ विनय गौतम, डॉ ए के सिंह,सुमन सिंह, जिला पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश शुक्ला, समाजसेवी श्रीनेत त्रिपाठी,पूर्व भाजपा जिला

अध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू , प्रतापगढ़ पूर्व भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, भाजपा नेता विजय त्रिपाठी, कूरेभार प्रमुख बबलू सिंह, लंभुआ ब्लॉक प्रमुख पप्पू सिंह, कादीपुर प्रमुख प्र.श्रवण मिश्रा, पूर्व प्रमुख उमेश सिंह,डॉ डी एस मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य नंदन चौबे, जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री रविंद्र त्रिपाठी,सप्लाई इंस्पेक्टर अभिषेक सिंह, भाजपा नेता आनंद द्विवेदी, जिला को आप बैंक चेयर मैन योगेंद्र प्रतापसिंह, एसओ मोतीगरपुर प्रवीण यादव, बेलहरी चौकी इंचार्ज भारत सिंह,भाजपा नेत्री प्रीति प्रकाश सिंह, काजल किन्नर, भाजपा नेत्री रेनू तिवारी सुनीता सिंह, कांग्रेस नेता धर्मराज मिश्रा, ओ पी चौधरी, हरख नारायण मिश्र, सुल्तानपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, प्रदीप मिश्रा, एडवोकेट राजन शुक्ला, एडवोकेट राममणि मिश्रा, एडवोकेट सुभाष त्रिपाठी, चंद्रभान मिश्रा, जयशंकर त्रिपाठी, आनंद उपाध्याय,डॉ सी बी शुक्ल, बबलु शुक्ला,अरविंद तिवारी, प्रदीप सरकार, संतोष तिवारी, एडवोकेट प्रवीण शुक्ला,आचार्य नीरज मिश्रा,चंद्रभान शुक्ल, राजेश शुक्ल, राकेश शुक्ल, इंद्रभान शुक्ल, उदयभान शुक्ल,रत्नेश शुक्ल, संदीप शुक्ल, प्रशांत शुक्ल, दीपक सचिन प्रथम शुक्ल, प्रधान बबलू मिश्रा,प्रधान पिंटू कसौधन, प्रधान बृजेश यादव,दलजीत पांडेय, प्रधान राजेश विश्वकर्मा, पत्रकार नवीन शर्मा, पत्रकार प्रदीप सोनी, पत्रकार शिव कुमार दूबे, पत्रकार शमीम आफताब, पत्रकार बृजेश उपाध्याय, पत्रकार सुनील राठौर, पत्रकार रोहित पाठक, पत्रकार अभयराज वर्मा, पत्रकार रोहित सिंह, पत्रकार अजय दुबे, पत्रकार सुरेश दुबे, पत्रकार राजदेव शुक्ला, बीडीसी संदीप दुबे, संजीत सिंह, नवीन सिंह,सुनील वर्मा, राहुल शुक्ला और सतीश पांडेय, हैपी पांडेय, बबलू तिवारी, गौरव पांडेय, अंजनी यादव, आकाश दुबे, एसईओ पत्रकार आदेश मिश्र, गुरुप्रसाद मिश्रा, जयप्रकाश मिश्रा,मिट्ठू शुक्ला, और क्षेत्र के कई प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित कई अन्य सम्मानित गणमान्य लोगों ने बेबी भइया के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए श्रद्धा सुमन के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पीयूष गोयल वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 का उद्घाटन करेंगे

मुंबई। भारत के सबसे बड़े बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो - वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 - का उद्घाटन 13 अप्रैल 2025 को यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन वैश्विक निर्माण और बुनियादी ढांचा उद्योग का एक ऐतिहासिक समागम होगा, जिसमें 27,000 वर्ग मीटर के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में 250 से अधिक प्रदर्शक, 50,000 से अधिक घरेलू आगंतुक और 700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे।

प्रदर्शनी के लिए हाल ही में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख हितधारकों और उद्योग के नेताओं ने भाग लिया। प्रमुख अतिथियों में रमेश मित्तल, अध्यक्ष-कैपेक्सिल, नीलेश जेतपरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सिरेमिक पैनल),

कैपेक्सिल और सदस्य-बोर्ड ऑफ ट्रेड (भारत सरकार), हरपाल सिंह, प्रेसिडेंट-कैपेक्सिल, नरेंद्र संगाथ, पश्चिमी क्षेत्र समिति सदस्य-कैपेक्सिल, विशाल आचार्य-वैश्विक व्यापार प्रमुख, वाइब्रेंट बिल्डकॉन, जितेंद्र कथीरिया डायरेक्टर-वाइब्रेंट बिल्डकॉन और विजय अघारा, डायरेक्टर-वाइब्रेंट बिल्डकॉन शामिल थे।

एक्सपो में 60 से अधिक देशों के खरीदार शामिल होंगे, जिनमें यूएसए, मैक्सिको, ब्राजील, यूके, स्पेन, यूएई और उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। यह भारतीय निर्माताओं के लिए बेजोड़ निर्यात, ओईएम और संयुक्त उद्यम के अवसर प्रदान करता है।

बॉलीवुड आइकन सुनील शेट्टी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाकर, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 एक गेम-चेंजर साबित होगा, जो भारत के तेजी से बढ़ते निर्माण सामग्री उद्योग के लिए एक प्रीमियम वैश्विक मंच प्रदान करेगा। प्रदर्शनी में 10 से अधिक उत्पाद श्रेणियां प्रदर्शित की जाएंगी, जिनमें सिरेमिक, टाइलें और सैनिटरीवेयर, संगमरमर, ग्रेनाइट और पत्थर, सीपी, पाइप और फिटिंग, हार्डवेयर, बाथ फिटिंग और सिंक, प्लाईवुड, लेमिनेट, लकड़ी और फ़्लोरिंग, पेंट, गोंद, चिपकने वाला और निर्माण रसायन और सीमेंट और टीएमटी बार शामिल है।

भारत का निर्माण बाजार, जिसका वर्तमान मूल्य 884.72 बिलियन अमरीकी डॉलर (2023) है, तेजी से बढ़ रहा है और 2030 तक 2,134.43 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है, जो 2024 से 2030 तक 12.6% की सीएजीआर से बढ़ रहा है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और सड़क, रेलवे और औद्योगिक गलियारों सहित बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ इस गति को आगे बढ़ा रही हैं। कैपेक्सिल के चेयरमैन रमेश मित्तल ने कहा, ₹भारत का बुनियादी ढांचा विकास निर्माण सामग्री के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है। कैपेक्सिल में, हम निमार्ताओं और निर्यातकों को दुनिया के सामने अपनी उत्कृष्टता दिखाने के लिए समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाइब्रेंट बिल्डकॉन इस क्षेत्र में भारत की वैश्विक क्षमता का एक प्रमाण है।₹ वाइब्रेंट बिल्डकॉन के निदेशक, जितेंद्र कथीरिया और विजय अघारा ने कहा, ₹अग्रणी ब्रांडों और इनोवेटर्स की भागीदारी के साथ, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 उत्पाद लॉन्च, साझेदारी और भविष्य के लिए तैयार समाधानों के लिए अंतिम गंतव्य है। हम भारत की विनिर्माण शक्ति का अनुभव करने के लिए दुनिया भर से उद्योग के पेशेवरों, व्यापारियों और खरीदारों का स्वागत करते हैं।

लालगंज में होगा अंतरराष्ट्रीय रामायण महासम्मेलन

आजमगढ़। भारतीय ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर के वैश्विक उत्सव के रूप में अंतरराष्ट्रीय रामायण महासम्मेलन 2025 का आयोजन लालगंज में होगा। यह 12 से 14 अप्रैल तक हाइडिल मोड़ में होगा। श्रीरामनवमी के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और रामायण के दर्शन को विश्व मंच पर स्थापित करने का एक प्रयास है। आयोजन की संयोजक डॉ. अपर्णा सिंह ने बताया कि इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय भारतीय ज्ञान परंपराएं एवं सांस्कृतिक धरोहर, आधुनिक प्रबंधन के सिद्धांत, दर्शन और व्यवहार होगा। इसमें भारत और विदेशों से विद्वान, शोधकर्ता, प्राध्यापक, लेखक, संस्कृतिकर्मी, रामायण मर्मज्ञ और प्रबंधन विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य रामायण के गहन दर्शन, नैतिक मूल्यों, नेतृत्व सिद्धांतों और राम राज्य की अवधारणा को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करना है।

मोदी के नेतृत्व में देश की विदेश नीति मजबूत हुई, पूरी दुनिया में देश का डंका बज रहा : पुष्पराज सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भाजपा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित बदलापुर विधानसभा के सक्रिय सदस्य सम्मेलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पुष्पराज सिंह उपस्थित रहे। सर्वप्रथम पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा भाजपा के गौरवशाली इतिहास पर आधारित लगाई गयी प्रदर्शनी का भी उन्होंने फीता काटकर उदघाटन किया और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि 1975 में इमरजेन्सी के बाद जब देश में चारो ओर भ्रष्टाचार, चरमपन्थ, अलगाववाद का बोल-बाला था और देश चारो ओर से संकटों से घिरा थाउसी वक्त श्रृद्धेय

अटल बिहारी वाजपयी के नेतृत्व में 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। तभी से आज तक बीजेपी देशहित में कार्य कर रही है और अब मोदी जी के नेतृत्व में अपने चरमोत्सव की स्थिति में पहुँच चुकी है। अब भारत मोदी जी के नेतृत्व में एक विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है। मोदी के दृढ़ संकल्प से देश की एकता, अखण्डता व सार्वभौमिकता तार-तार होने से बची है। उनका सुशासन लोगों को पुरूषार्थ के साथ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष प्रदान करेंगा कोरोना काल में जब बहुत से लोगों के रोजी-रोजगार बंद हो गये थे तो ऐसे 80 करोड़ लोगों को मोदी जी मुफ्त में अनाज दिये आयुष्मान कार्ड से प्रत्येक गरीब को तथा 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को 05 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलता हैं।

मुगराबादशाहपुर मे आयोजित सक्रिय सदस्य सम्मेलन मे मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित राज्य सभा सांसद ने कार्यकतोओं एवं पदाधिकारियों को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना तथा पार्टी द्वारा राष्ट्रहित में लिये गये निर्णयों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भाजपा के पहले अध्यक्ष बने पं अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों एवं राष्ट्रवाद के मूल्यों के बारे में प्रकाश डालते हुये कहा कि 04अप्रैल, 1980 को सुशासन रुपी भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी गयी जिसके मुख्य कर्ताधर्ता अटल विहारी वाजपेयी जी और लालकृष्ण आडवाणी जी थे। जिनके कठिन परिश्रम और त्याग समर्पण से आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पूर्व सांसद बी पी सरोज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने राष्ट्र की सुरक्षा के साथ-साथ देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं नौजवानों की भी चिंता की गरीबों को आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड, किसानों को किसान सम्मान निधि, मुफ्त राशन देने के साथ खाना पकाने के लिए मातृ शक्तियों को उज्जवला गैस की सुविधा मुफ्त में प्रदान किया। यही देश को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रथम श्रेणी मानी जाती है, जिसे प्रधानमंत्री जी ने कर दिखाया। पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि हमारी सरकार विकास के साथ विरासत पर भी ध्यान दे रही है चाहे हमारे पौराणिक स्थलो व धार्मिक स्थलों का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका जीता जागता उदाहरण अयोध्या, काशी, मथुरा, विंध्यवासिनी धाम और तीर्थराज प्रयाग है। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को विपक्ष के अफवाहों एवं दुष्प्रचार से सचेत एवं सतर्क रहने के साथ क्षेत्र में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया जिससे आने वाले चुनाव में भाजपा की सुशासन वाली सरकार माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में बनाई जा सके।

पंडित महेंद्र शर्मा के जन्मदिन पर लगा बधाइयों का तांता

-प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति) । मंगलवार को बहुजन विकास अगाड़ी व ईच्छा पूर्ति हनुमान मंदिर के संस्थापक पंडित महेंद्र शर्मा ' के जन्मदिन 8 अप्रैल को यादगार बनाने के उद्देश्य से जाने माने पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर द्वारा पंडित महेंद्र शर्मा का जन्मदिन ईच्छा पूर्ति हनुमान मंदिर में माता रानी की चौकी के शुभ अवसर पर मनाया और जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया। इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ महेंद्र शर्मा'को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुँह मीठा कराया। उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यो की भूरि-भूरि सराहना करते हुए पुष्प हारों से ढक दिया। बविआ उमेश नाईक , सभापति निलेष देशमुख, बविआ के पदाधिकारी प्रोफेसर पंडित के डी शर्मा

उपस्थित होकर जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार को तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह , पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी, राजेश वर्मा , बविआ पदाधिकारी अजीत सिंह रघुवंशी , ब्रिजेश मिश्रा, साईं अष्टर कोऑपरेटिव सोसायटी के सचिव शिवाजी लोटेकर ने महेंद्र शर्मा' के जन्मदिन पर अपने भाव प्रगट करते हुए कहा कि पंडित महेंद्र शर्मा आप को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं। आप ब्राह्मण समाज के आधारस्तम्भ ही नही समाज के गौरव हैं, कर्णधार हैं। उनकी एकता के मुख्य सूत्रधार है, समाज के लिए आपका योगदान अकथनीय है, आप एक बेहद ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व,मृदुभाषी,और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है,सरलता ही आपकी पहचान है, आपने समाज के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है, आप नालासोपारा पूर्व के सभी समस्याओं को पूर्ण रूप से बिना किसी भेद भाव हल करते हैं। समाज के व्यक्तियों में आप अग्रणी पंक्ति में आते है। प्रभु से प्रार्थना है की आप जीवन में ऐसे ही तरक्की करते रहे और नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहे,स्वस्थ रहे,सुखी रहे, पुनः जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई।

16 वर्षीय किशोरी की जान बचाने के लिए मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे और मणिपाल फाउंडेशन ने मिलाया हाथ

मुंबई। मानवता और चिकित्सा कौशल की अद्भुत मिसाल पेश करते हुए मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे के डॉक्टरों की समर्पित टीम ने एक 16 वर्षीय किशोरी को मृत्यु के मुंह से वापस ला दिया। यह किशोरी, जो एक निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती है और अपने रिश्तेदारों के साथ रहती थी, 19 मार्च की रात को एक इमारत की छत से गिर गई थी और गंभीर हालत में अस्पताल लाई गई थी। जब उसे अस्पताल लाया गया, वह कोमा में थी। उसके शरीर का रक्त अम्लीय हो चुका था, दिल की धड़कन लगातार गिर रही थी, रक्तचाप अत्यंत कम था और शरीर में कई जगह फ्रैक्चर व अंदरूनी चोटें थीं। अस्पताल के इमरजेंसी विभाग ने तुरंत सक्रिय होकर इलाज शुरू किया, इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व डॉ. सुस्रुत बंद्योपाध्याय, प्रमुख झ्र आईसीयू और क्रिटिकल केयर विभाग ने किया। एक दिन के इलाज के बाद जब परिवार आर्थिक रूप से असमर्थ हो गया, तब मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे ने आगे आकर इलाज का खर्च वहन किया, और मणिपाल फाउंडेशन ने भी सहयोग प्रदान किया। सबसे पहले उसकी जांघ की हड्डी (फीमर) की सर्जरी की गई, जिससे संक्रमण फैलने से रोका जा सके और रक्तस्राव नियंत्रित किया जा सके। इसके बाद हाथ की टूटी हुई हड्डी (ह्यूमरस) की सर्जरी की गई, जिसे डॉ. सोहम मंडल, सलाहकार झ्र ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट्स द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। लगातार नौ दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद, किशोरी को धीरे-धीरे सामान्य बेड पर शिफ्ट किया गया और अंततः 5 अप्रैल, शनिवार को स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी दी गई, जिससे उसके परिवार और चिकित्सा टीम में खुशी की लहर दौड़ गई। डॉ. सुस्रुत बंद्योपाध्याय ने कहा, जब यह बच्ची हमारे पास लाई गई, वह कोमा में थी, रक्तचाप बहुत कम था, शरीर में गंभीर अम्लता थी और कई अंगों के फेल होने के संकेत मिल रहे थे। फीमर और ह्यूमरस जैसी मुख्य हड्डियों में फ्रैक्चर था और गर्दन में भी चोट थी जो कभी भी बिगड़ सकती थी। हमें पता था कि समय बहुत कम है। पहले 48 घंटे हमने केवल उसकी हालत स्थिर करने पर ध्यान केंद्रित किया—सांस की सहायता, अम्लता नियंत्रित करना और अंगों को काम करने लायक बनाए रखना। डॉ. सोहम मंडल ने कहा, जब मैंने उसकी एक्स-रे रिपोर्ट देखी, तो मैं चौंक गया—उसकी दाईं जांघ की हड्डी, जो शरीर की सबसे मजबूत हड्डी होती है, टूटी हुई थी और दोनों हाथों की हड्डियाँ भी टूट चुकी थीं। हमने तुरंत हस्तक्षेप किया। यह केस सिर्फ तकनीकी नहीं, भावनात्मक रूप से भी चुनौतीपूर्ण था—क्योंकि वह सिर्फ 16 साल की एक बच्ची थी जिसने उम्मीद छोड़ दी थी। डॉ. अयनाभ देबगुप्ता, रीजनल सीओओ, मणिपाल हॉस्पिटल्स (ईस्ट) ने कहा, मणिपाल में हमारा मानना है कि किसी भी जीवन को सिर्फ आर्थिक कारणों से नहीं खोना चाहिए। जब हमें इस बच्ची की जानकारी मिली—जो कोमा में थी, कई फ्रैक्चर थे और उसके इलाज का खर्च उठाने वाला कोई नहीं था—तो हमने तुरंत निर्णय लिया।

नाइटक्लब की छत गिरने से 113 लोग जिंदा दफन, बढ़ता जा रहा मृतकों का आंकड़ा

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में मंगलवार तड़के एक नाइटक्लब की छत गिरने से कई मशहूर हस्तियों समेत कम से कम 113 लोगों की मौत हो गई और 255 अन्य घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई। अधिकारियों के मुताबिक, छत ढहने से डांस फ्लोर पर नाच रहे कम से कम 113 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य मलबे के नीचे दब गए।

उन्होंने बताया कि हादसे में 255 से अधिक लोग घायल हुए हैं। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक मैनुअल मेंडीज ने बताया कि मृतकों में पेरेज भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बचाव दल मलबे में उन लोगों की तलाश में जुटे हैं, जिनके जीवित होने की संभावना है। प्राधिकारियों ने बताया कि जेट सेट नाइटक्लब में मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा कि मलबे में कुछ लोगों के जीवित होने की संभावना के साथ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ह्यहम मलबे की सफाई कर रहे हैं और लोगों को खोज रहे हैं। हम बिना थके लोगों की तलाश में जुटे हैं।''

मेंडेज ने मंगलवार शाम में बताया कि 90 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। इससे पहले अधिकारियों ने कहा था कि कम से कम 160 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में मोंटेक्रिस्टी की गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। उन्होंने देर रात 12.49 बजे राष्ट्रपति लुईस अबिनाडर को फोन कर बताया था कि छह गिर गई है और वह फंस गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक बाद में अस्पताल में क्रूज की मौत हो गई है। पूर्व मेजर लीग बेसबॉल पिचर ऑक्टेवियो डोटेल की भी हादसे में मौत हो गई। नाइटक्लब की छत उस समय गिरी, जब मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं।

लू के प्रकोप से मिलेगी राहत, कल करवट लेगा मौसम, तापमान में इतनी आएगी कमी

नई दिल्ली। राजधानी में बृहस्पतिवार को बहुत हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। साथ ही, गरज के साथ बिजली चमकेगी। इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज सतही हवाएं चलेंगी। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। इसके चलते लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव आया है। ऐसे में तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट होगी। इसके अलावा, पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद तापमान में एक बार फिर से बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। मौसम विभाग के अनुसार, 11 अप्रैल तक बारिश होने की संभावना है। उधर, उत्तराखंड में मौसम बदल चुका है। चमोली के थराली में तेज आंधी तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में बर्फबारी हुई। उत्तर प्रदेश में भी कल से मौसम करवट लेने जा रहा है।

दिल्ली में इस बार लोगों को असामान्य गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही निकलने वाली धूप के चलते पारा तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार को दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में तेज धूप निकली। नो बजे के बाद से ही लोगों को तपिश महसूस होने लगी। दोपहर के समय खासतौर पर खुले में काम करने वाले और दोपहिया वाहन चालकों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान लोगों को लू के थपेड़ों का अहसास हुआ। ऐसे में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 40.5 दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री अधिक 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में चार स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही। सबसे अधिक तापमान आया नगर में रिकॉर्ड किया गया। यहां अधिकतम तापमान 40.9 दर्ज किया गया। वहीं, सफदरजंग, रिज के अलावा पालम में भी पारा 40 डिग्री के पार चला गया। सफदरजंग में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस, तो आया नगर मौसम केन्द्र में अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। इसके चलते दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग की तकनीकी परिभाषा के मुताबिक, दिल्ली में अगर अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर है और सामान्य से साढ़े चार डिग्री सेल्सियस ज्यादा है तो उसे लू की स्थिति माना जाता है। जबकि, सामान्य से साढ़े छह डिग्री ज्यादा तापमान होने पर उसे गंभीर लू की स्थिति (सीवियर हीट वेव) की स्थिति माना जाता है। इस मौसम में अभी तक कई बार अधिकतम तापमान सामान्य से साढ़े चार डिग्री से ऊपर जा चुका है।

हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की चोटियों में बुधवार को हल्की बर्फबारी हुई। कुल्लू जिले के कई भागों में शाम को बरसे बादल। इससे दोनों जिलों के तापमान में कुछ गिरावट दर्ज हुई है। राजधानी शिमला में बादल छाए रहे। मैदानी जिला ऊना में धूप खिलने से अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वीरवार और शुक्रवार को प्रदेश के कई क्षेत्रों में मौसम खराब बना रहने का पूवार्नुमान है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में बदलाव आने के आसार हैं। 13 अप्रैल से पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है। उत्तराखंड में बुधवार को लंबे समय बाद मौसम ने करवट बदली और पहाड़ी इलाकों में बारिश हुई। वहीं, चमोली के थराली में कई गांव में तेज आंधी तूफान के साथ मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी। तहसील के ग्वालदम, थराली, डुंग्री, कुलसारी, तलवाड़ी सहित कई गांवों में हुई तेज बारिश से लोग सहम गए।

उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार से मौसम यू-टर्न लेगा। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से पूर्वी-तराई इलाकों के 45 से ज्यादा जिलों में गरज-चमक संग बूंदाबांदी के आसार हैं। बुधवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पूर्वा हवाएं चलीं और बादलों की आवाजाही संग संतकबीर नगर, बहराइच, चुर्क आदि में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिली।

बीजिंग ने यूक्रेन का दावा किया खारिज, कहा-रूस के लिए चीनी सैनिकों के लड़ने की अफवाहें निराधार

बीजिंग। चीन के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन का यह दावा कि बड़ी संख्या में चीनी नागरिक रूसी आक्रमणकारी सेना के साथ लड़ रहे हैं, पूरी तरह से निराधार है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा था कि यूक्रेनी सेना ने पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में रूसी सेना के साथ लड़ रहे दो चीनी लोगों को पकड़ लिया है और उन्हें जानकारी मिली है कि बड़ी संख्या में और लोग रूसी सेना के साथ हैं। ऐसा पहली बार था जब रूस के लगभग तीन साल के आक्रमण के बीच यूक्रेन ने अपनी धरती पर चीनी लड़ाकों के होने का दावा किया था। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में कहा कि चीन ने यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान में रचनात्मक भूमिका निभाई है। लिन ने बुधवार को एक दैनिक प्रेस वार्ता में कहा कि चीन की सरकार हमेशा चीनी नागरिकों से संघर्ष क्षेत्रों से दूर रहने, किसी भी प्रकार के सशस्त्र संघर्ष में शामिल होने से बचने और विशेष रूप से किसी भी पक्ष के सैन्य अभियानों में शामिल नहीं होने के लिए कहती है। उनकी टिप्पणियों से ऐसा प्रतीत होता है कि पकड़े गए चीनी सैनिक अपनी पहल पर ही रूस के साथ शामिल हुए थे। फरवरी 2022 में मास्को द्वारा अपने पड़ोसी यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से चीन ने रूस को मजबूत कूटनीतिक समर्थन प्रदान किया है।

मोदी अपने 50वें दौरे पर काशीवासियों पर करेंगे तोहफों की बारीश

* बनास से जुड़े किसानों को 106 करोड़ के बोनस राशि ट्रांसफर करने सहित 3884.18 करोड़ की 44 परियोजनाओं का होगा लोकार्पण व शिलान्यास
*मोदी के स्वागत के लिए भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक गाजे-बाजे के साथ जुलूस की शक्ल में जनसभा स्थल पर पहुंचेंगे

-सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र के 50वें दौरे पर वाराणसी आएंगे। इस दौरान वे बनास से जुडे किसानों को 106 करोड़ की न सिर्फ बोनस राशि उनके खातों में ट्रांसफर करेंगे, बल्कि कुल 3884.18 करोड़ रुपए लागत की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। इनमें 1629.13 करोड़ की 19 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 2255.05 करोड़ की 25 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। यह जानकारी भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि व मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने संयुक्तरुप से दी।

बुधवार को सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने प्रधानमंत्री के आगमन के तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री 11 अप्रैल को पूर्वाह्न 10:30 बजे सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के मेंहदीगंज में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। खास यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह 50वां काशी दौरा इस बात का प्रमाण है कि उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र और काशीवासियों से कितना गहरा स्नेह और लगाव है। उन्होंने कहा कि अपने लोकप्रिय सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जोरदार स्वागत करने एवं जनसभा में भाग लेने के लिए भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक गाजे-बाजे के साथ जुलूस की शक्ल में जनसभा स्थल पर पहुंचेंगे। इसके अलावा दोपहिया व चारपहिया वाहनों से भी बड़ी संख्या में लोगों ने जनसभा स्थल पर पहुंचने की योजना बनाई है।

हजारों होर्डिंग्स, विद्युत झालरों से सजा शहर

जनसभा स्थल सहित संपूर्ण जिले और महानगर को पार्टी के झंडों और विद्युत झालरों से सजाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पूरे जिले में एक हजार से अधिक छोटी-बड़ी होर्डिंग्स लगाई जा रही हैं। साथ ही, उनके आगमन से पूर्व विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

ये रही लोकापर्ण व शिलान्यास होने वाली मुख्य परियोजनाएं

पत्रकार वार्ता में बताया गया कि प्रधानमंत्री जिन 19 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, उनमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत 345.12 करोड़ रुपए की 130 ग्रामीण पेयजल योजनाएं प्रमुख हैं। साथ ही पीएम मोदी बनास (अमूल) से जुड़े प्रदेश के लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों को 106 करोड़ रुपए का बोनस भी ट्रांसफर करेंगे। जबकि शिलान्यास की जाने वाली 25 परियोजनाओं में बाबतपुर एयरपोर्ट के पास एनएच-31 पर अंडरपास टनल तथा भिखारीपुर तिराहा और मंडुवाडीह चौराहे पर फ्लाईओवर का निर्माण शामिल हैं, जो शहर की जाम की समस्या को दूर करने में सहायक होंगे। यह लगभग 650 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सबसे बड़ी परियोजना है, जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री करेंगे। इसके साथ ही सड़कों का चौड़ीकरण, राजकीय डिग्री कॉलेज का नए भवन में निर्माण, पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण, रामनगर में पुलिस बैरक का निर्माण–इस प्रकार की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जाएगा। यह पूर्वांचल क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होगा। पत्रकार वार्ता में क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर भी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव और डीजीपी ने पीएम मोदी के दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

* पीएम के दौरे की जमीन से आसमान तक थ्री लेयर रहेगी सुरक्षा व्यवस्था
* एसपीजी सहित पुलिस के 15 आईपीएस और दो हजार से अधिक जवान रहेंगे तैनात
* गर्मी में जनसभा स्थल पर न हो कोई असुविधा : मुख्य सचिव

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के लिए वाराणसी में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किये गए हैं। जमीन से लेकर आसमान तक चप्पे चप्पे पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। पूरी सुरक्षा व्यवस्था एसपीजी के हाथ में है। एसपीजी के कमांडो, केंद्रीय खुफिया, यूपी पुलिस तैनात रहेगी। इसके अलावा 15 आईपीएस अधिकारियों की अगुवाही में दो हजार से अधिक पुलिस जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। पीएम नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में केंद्र से लेकर राज्य तक की खुफिया एजेंसी भी हाई अलर्ट पर हैं। सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों के मद्देनजर बुधवार को मुख्य सचिव तथा डीजीपी द्वारा समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान जनसभा स्थल पर सुरक्षा व सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयारियों का जायजा भी लिया गया। साथ ही मातहतों को चौकस व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

11 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी वाराणसी दौरे पर आएंगे। इस दौरान राजातालाब के मेहदीगंज में आयोजित जनसभा के दौरान कई बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी करेंगे। इसी के मद्देनजर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश मनोज कुमार तथा डीजीपी प्रशांत कुमार ने कमिश्नरी सभागार में तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा की पीएम के आगमन के मद्देनजर सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। सभी लोग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करेंगे। गर्मी के दृष्टिगत पीने के पानी के उचित प्रबंध सभास्थल के सभी कम्पार्टमेंट में करने को कहा। मोबाइल टॉयलेट्स की भी उचित व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने इलेक्ट्रिकल सेफ्टी पर विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया। डीजीपी प्रशांत कुमार द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के सभी चाक-चौबंद प्रबंध करने हेतु निर्देशित किया गया। कहा गया कि किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहने पाए। उन्होंने गर्मी के दृष्टिगत इलेक्ट्रिकल सेफ्टी पर पूरा ध्यान देने तथा आस-पास सभी के वेरिफिकेशन कराने हेतु निर्देशित किया। इसके पूर्व समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा द्वारा अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान होने वाले लोकार्पण व शिलान्यास तथा आगमन के संबंध में की गई सभी विभागीय तैयारियों को बताया गया। मंडलायुक्त ने बताया कि सभास्थल पर उचित साफ-सफाई, मोबाइल टॉयलेट, पीने के पानी के उचित प्रबंध, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, सेफ हॉउस, ट्रैफिक मैनेजमेंट व बैरिकेडिंग तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उचित मेडिकल व्यवस्था की पूरी जानकारी दी दई। उन्होंने बताया की सीएम योगी के निर्देश पर पीएम मोदी के आगमन के मद्देनजर एक सप्ताह तक पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल द्वारा अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के दृष्टिगत की गई तैयारियों तथा सभास्थल पर यातायात व पार्किंग व्यवस्था की जानकारी दी गई।

काल भैरव व काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन

बैठक के पश्चात मुख्य सचिव तथा डीजीपी द्वारा काल भैरव व काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया गया। साथ ही मंदिर परिक्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इसके बाद पुलिस लाइन पहुंचकर पुलिस कर्मियों के लिए बने आवास का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा 50 फैंटम दस्ते को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया। मुख्य सचिव तथा डीजीपी द्वारा पुलिस लाइन परिसर में महिलाओं की स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित वातानुकूलित कैंटीन, जलपान गृह काशी प्रेरणा कैफे का फीता काटकर उद्घाटन किया गया तथा इस अवसर पर मुख्य सचिव द्वारा महिला समूहों से वार्ता भी की गई। बैठक में एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया, जिलाधिकारी एस राजलिंगम, डीआईजी मोहित गुप्ता, अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी कमिश्नरेट डॉ एस चिनप्पा, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण पुलकित गर्ग, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत ने बांग्लादेश को दिया जोरदार झटका, उठा लिया बड़ा कदम

नईदिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में एक नया मोड़ आ गया है। वैश्विक राजनीति में इस फैसले को बड़ा भूचाल माना जा रहा है। भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली 'ट्रांसशिपमेंट सुविधा' को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस फैसले को भारत की कूटनीतिक शक्ति और रणनीतिक स्पष्टता के तौर पर देखा जा रहा है।सरकार के इस कदम से न सिर्फ बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा बल्कि दक्षिण एशिया में भारत की भूमिका और भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। ट्रांसशिपमेंट सुविधा के तहत बांग्लादेश अपने निर्यात माल को भारत के सीमा शुल्क स्टेशनों, एयरपोर्ट्स और पोर्ट्स के जरिए भूटान, नेपाल, म्यांमार जैसे देशों तक पहुंचा सकता था। यह सुविधा जून 2020 में भारत सरकार ने शुरू की थी ताकि बांग्लादेश और उसके पड़ोसी देशों के साथ व्यापारिक संबंध बेहतर हों। लेकिन अब भारत ने 29 जून 2020 के परिपत्र को रद्द कर दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि अब बांग्लादेश इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पाएगा।

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने हाल ही में चीन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान बयान दिया था कि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र भूमि से घिरा हुआ है और समुद्र तक उसकी कोई सीधी पहुंच नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश ही उस क्षेत्र का समुद्री द्वार है और चीन को वहां अपनी आर्थिक मौजूदगी बढ़ानी चाहिए। यूनुस पहले भी ढाका को महासागर का संरक्षक बता चुके हैं। उनके इन बयानों को भारत ने रणनीतिक तौर पर खतरनाक और गुमराह करने वालामाना। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने इस फैसले की घोषणा की है। CBIC ने कहा कि तत्काल प्रभाव से ट्रांसशिपमेंट सुविधा को बंद कर दिया गया है। हालांकि जिन कंटेनरों और कार्गो ने पहले ही भारत में प्रवेश कर लिया है, उन्हें पुरानी प्रक्रिया के तहत बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी।

भारत के इस कदम से बांग्लादेश को आर्थिक झटका लगने की आशंका है। बांग्लादेश का टेक्सटाइल और फुटवियर जैसे क्षेत्रों में अच्छा खासा निर्यात होता है और वह भारत के बाजार में एक मजबूत प्रतिस्पर्धी बनकर उभरा था। अब जब ट्रांसशिपमेंट सुविधा खत्म हो गई है, तो भारत के टेक्सटाइल, फुटवियर और जेम्स-ज्वेलरी जैसे उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद है। भारत के निर्यातकों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूनुस के बयान पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत की करीब 6,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा है। भारत न केवल बिम्सटेक देशों से जुड़ा है बल्कि उन्हें जोड़ने का भी काम करता है। पूर्वोत्तर भारत बिम्सटेक के लिए कनेक्टिविटी हब बन रहा है। इसमें सड़क, रेल, जलमार्ग और पाइपलाइन नेटवर्क शामिल हैं।

सऊदी अरब की उमराह यात्रियों को चेतावनी, 29 अप्रैल तक छोड़ दो देश

सऊदी अरब। हाल ही में सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान समेत 14 देशों के तीर्थयात्रियों पर वीजा बैन लगाया था ताकि उमराह और हज यात्राओं में अवैध भीड़ को रोका जा सके। अब सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्रालय ने नया आदेश जारी किया है। जिन यात्रियों को उमराह वीजा मिल चुका है, उन्हें 29 अप्रैल तक सऊदी अरब छोड़कर अपने देश लौटना अनिवार्य कर दिया गया है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि इस साल उमराह तीर्थयात्रियों के सऊदी अरब में प्रवेश की अंतिम तिथि 13 अप्रैल तय की गई है। वहीं, 29 अप्रैल तक सभी को उमराह पूरा कर देश छोड़ना होगा। इसके बाद वहां रुकने वाले लोगों को वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाला माना जाएगा। मंत्रालय ने साफ किया है कि 29 अप्रैल के बाद सऊदी अरब में रुकने वालों पर कड़ा जुमार्ना लगेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर व्यक्ति, कंपनियां और उमराह सेवा प्रदाताओं पर 100,000 सऊदी रियाल (करीब 22.94 लाख रुपये) तक का जुमार्ना या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। यह कदम सऊदी सरकार ने वार्षिक हज यात्रा से पहले उठाया है, ताकि व्यवस्था बेहतर रहे। पिछले साल मक्का में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई थी, जिसमें करीब 1200 लोगों की जान गई थी। इससे सऊदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा था। इसी को देखते हुए अब सऊदी अरब तीर्थयात्रियों की संख्या और नियमों पर सख्ती बरत रहा है। एक दिन पहले सऊदी अधिकारियों ने 18,407 विदेशियों को गिरफ्तार किया है, जो वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी वहां अवैध रूप से रह रहे थे। इन पर प्रवासन, श्रम और सीमा सुरक्षा कानूनों के उल्लंघन का आरोप है। दोषी पाए जाने पर इन्हें 15 साल जेल या करीब 2.30 करोड़ रुपये जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

इलेक्ट्रिक बसों के लिए भारत का सबसे बड़ा ऑर्डर

हैद्राबाद (उत्तरशक्ति)। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) द्वारा राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा 297 इलेक्ट्रिक बसों की सीधी खरीद के लिए आदेश पंजीकृत किया गया है। टेंडर प्रक्रिया के बाद इन बसों की आपूर्ति की जिम्मेदारी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड को दी गई है और इस संबंध में कंपनी को एलओए जारी कर दिया गया है। ये सभी ई-बसें 9 मीटर लंबी हैं और नॉन-एसी प्रकार की हैं। यह ऑर्डर भारत में किसी भी राज्य परिवहन निगम द्वारा इलेक्ट्रिक बसों की अब तक की सबसे बड़ी खरीद है। इन्हें विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन इलेक्ट्रिक बसों में 30 लोगों के बैठने की क्षमता है और बस एक बार चार्ज करने पर 180 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती है। यह ऑर्डर 424 करोड़ रुपये का है और इस पर एचआरटीसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. मुरारी लाल (एचपीएएस) द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए हैं।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथरार्डटिस. फिजियोथिरैपी. कल्हा प्रत्यारोपण सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
हड्डी रोग विभाग
स्त्री एवं प्रसूति विभाग
24/7 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार नि:शुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का इलाज पूर्णतया नि:शुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे इत्यादि पूर्णतया नि:शुल्क
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर